दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-11 भोपाल, सोमवार 22 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

आज का सुविचार

महान पुरुष अत्यन्त विपरीत परिस्थितियों में भी धीरज नहीं छोड़ते।
- अज्ञात

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्णा त्रयोदशी, सोमवार, 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:37/5:35
वर्षा/बादल %	03 %
नमी %	55 %
वायु (किमी/घ.)	06
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 50,430

आज गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा दतिया की अटल बिहारी कॉलोनी में स्वागत सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए। वार्ड 31 में उनका तुलादान किया गया। इसके बाद डॉ. मिश्रा ने सभी रहवासियों और स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने दतिया स्थित राजघाट कॉलोनी के नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। कई समस्याओं का मौके पर ही निवारण किया, शेष कुछ के शीघ्र निराकरण के लिए भी संबंधित अधिकारियों से सकारात्मक चर्चा की।

योगी के कंधे पर हाथ रखे नजर आए प्रधानमंत्री, उत्तर प्रदेश राजभवन के गलियारे में रणनीति बनाते

नई दिल्ली
हम निकल पड़े हैं प्रण करके..
अपना तन-मन अर्पण करके..
जिद है एक सूर्य उगाना है..
अम्बर से ऊँचा जाना है..
एक भारत नया बनाना है!!

इन लाइनों के साथ उत्तर प्रदेश के ष्टरूयोगी आदित्यनाथ ने रविवार दोपहर 12ः17 बजे सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। साथ में दो तस्वीरें भी डालीं। इनमें उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नजर आ रहे हैं। क्करूमोदी ष्टरूयोगी के कंधे पर हाथ रखकर राजभवन के गलियारे में घूमते दिख रहे हैं। इस दौरान मोदी और योगी के बीच किसी मुद्दे पर गहन चर्चा हो रही है। दोनों नेताओं के बीच केमिस्ट्री भी साफ दिखाई दे रही है। ऐसा लगता है जैसे मोदी कोई सीख, कोई समझाइश योगी को दे रहे हों। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मोदी-योगी पर शायराना अंदाज में तंज कसा है। उन्होंने लिखा- दुनिया की खातिर, सियासत में कभी यूं भी करना पड़ता है बेमन से कंधे पर रख हाथ, कुछ कदम संग चलना पड़ता है।

पाक में भी जल रही पराली, हवा का रुख पंजाब की तरफ होने से घुट रही सांसें

पंजाब। सिर्फ पंजाब ही नहीं पाकिस्तान के किसान भी कटाई के बाद पराली का निपटारा आग लगाकर ही कर रहे हैं। इससे पंजाब का वातावरण अधिक प्रभावित हो रहा है। कई दिनों से अमृतसर और पंजाब के अधिकतर शहरों का एयर क्वालिटी इंडेक्स खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। पंजाब की तरह पाकिस्तान में भी धान की खेती बड़े स्तर पर की जाती है।

बिग बी का लीगल एक्शन

अमिताभ बच्चन ने पान मसाला कंपनी को नोटिस

» कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद भी दिखाया जा रहा एड

मुंबई
बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में एक पान मसाला कंपनी को लीगल नोटिस भेजकर अपना एड प्रसारित होने से रोकने की मांग की है। एक्टर पिछले कई सालों से इस कंपनी के एड में नजर आते थे, हालांकि उन्होंने अपने पिछले जन्मदिन पर इस कंपनी से अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दिया था। जब कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बावजूद कंपनी द्वारा लगातार एड का प्रसारण किया जा रहा है। हाल ही में ई-टाइम्स ने अपने करीबी सूत्रों के हवाले से लिखा है, अमिताभ बच्चन के ऑफिस से जानकारी मिली है कि उन्होंने कमला पसंद कंपनी को अपने टीवी कॉमर्शियल एड की ब्रॉडकास्टिंग को रोकने के लिए लीगल नोटिस भेजा है। देखा गया है कि एंडोर्समेंट कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद भी कमला पसंद इसे नजरअंदाज करते हुए टीवी कॉमर्शियल को प्रसारित कर रहा है। बता दें कि अमिताभ बच्चन पिछले काफी समय से पान मसाला के एड में नजर आने पर ट्रोल किए जा रहे थे जिसके बाद उन्होंने 11 अक्टूबर को अपने 79वें जन्मदिन के मौके पर पान मसाला कंपनी के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का अनाउंसमेंट किया था।

आईएनएस विशाखापट्टनम नौसेना को सौंपकर बोले रक्षा मंत्री-

कुछ गैर जिम्मेदार देश UN के नियम भी नहीं मानते

नईदिल्ली
रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को इशारों ही इशारों में चीन पर निशाना साधा। रविवार को राजनाथ ने मुंबई में INS विशाखापट्टनम शिप नौसेना को सौंपा। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत हिंद और प्रशांत महासागर में मुक्त आवागमन का समर्थन करता है, लेकिन कुछ गैर जिम्मेदार देश समुद्री सीमा पर बने संयुक्त राष्ट्र के नियमों को भी नहीं मानते। भारत एक जिम्मेदार देश है और अपनी जिम्मेदारी समझता है। राजनाथ ने आगे कहा कि ड्डहस्र विशाखापट्टनम के नौसेना में शामिल होने के बाद हमारी पहुंच हिंद महासागर से बढ़कर प्रशांत और अटलांटिक महासागर में भी हो गई है। इस युद्धपोत के जरिए हवा से जमीन, हवा और पानी तीनों में हमला किया जा सकता है।

देश का पहला P-15 बी क्लास स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक

INS विशाखापट्टनम के कैप्टन वीरेन्द्र बेन्स ने बताया कि 30 नॉटिकल माइल्स की स्पीड से चलने में सक्षम इस वॉर शिप की लंबाई 164 मीटर और वजन 7500 टन है। इस युद्धपोत का डिजाइन नेवी के नौसेना डिजाइन निदेशालय ने बनाया है। इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में किया गया है। यह देश का पहला पी-15बी क्लास का स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक है।

सभी आधुनिक हथियारों से लैस है यह जंगी जहाज

वीरेन्द्र बेन्स के मुताबिक, इसके निर्माण में बहुत ही मजबूत और उच्च गुणवत्ता वाले स्वदेशी स्टील डीएमआर 249ए का उपयोग किया गया है। यह युद्धपोत ब्रह्मोस-बराक जैसे विध्वंसक मिसाइल से लैस होगा। इसके अलावा यह कई तरह के हथियारों और सेंसर से भी लैस है, जिसमें सुपरसोनिक सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम और शॉर्ट रेंज गन, एंटी सबमरीन रॉकेट, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर एवं कम्युनिकेशन सूट शामिल हैं।

सिद्धू से सीधी टक्कर नहीं लेंगे अमरिंदर, कैप्टन का ऐलान- पटियाला से ही चुनाव लड़ूंगा

पंजाब। पंजाब के पूर्व CM कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ेंगे। कैप्टन ने ऐलान किया कि मैं पटियाला से ही चुनाव लड़ूंगा। पटियाला 400 साल से उनके साथ रहा है। पटियाला उनकी रियासत रही है। सिद्धू की खातिर मैं पटियाला नहीं छोड़ूंगा। कैप्टन की यह बात इसलिए अहम है क्योंकि अब तक वह कहते रहे हैं कि सिद्धू को किसी भी सूरत में नहीं जीतने देंगे। इसके बाद नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने कैप्टन को अमृतसर ईस्ट से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी।

किसान आंदोलन पर अकाल तख्त के जत्थेदार का दावा

सिखों को सरकार और हिंदुओं से लड़ाने की साजिश थी, मोदी के फैसले से मंसूबे नाकाम

नई दिल्ली
कृषि कानून वापस लिए जाने पर सिखों की सुप्रीम संस्था श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा- किसान आंदोलन की आड़ में कुछ लोग इसे सिख वर्सेज भारत सरकार और सिख वर्सेज हिंदू बनाना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कानून वापसी के फैसले से उनके मंसूबे नाकाम हो गए। कानून वापस होने से बड़ी राष्ट्रीय विपदा टल गई है। उनका यह बयान काफी अहम है, क्योंकि किसान आंदोलन पंजाब से ही शुरू हुआ था। दिल्ली बॉर्डर पर भी सबसे ज्यादा सिख ही परिवार समेत डटे रहे।

सिख सोच, निशान और इतिहास को कर रहे थे दरकिनार:- जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि हमारी चिंता थी कि आंदोलन में कुछ ग्रुप ऐसे थे, जो सिख सोच, निशान, फलसफे, इतिहास और भावनाओं को दरकिनार कर रहे थे। कुछ ऐसे ग्रुप भी थे जो इस संघर्ष को सिखों का भारत सरकार और हिंदुओं के बीच का संघर्ष बनाने की कोशिश कर रहे थे।

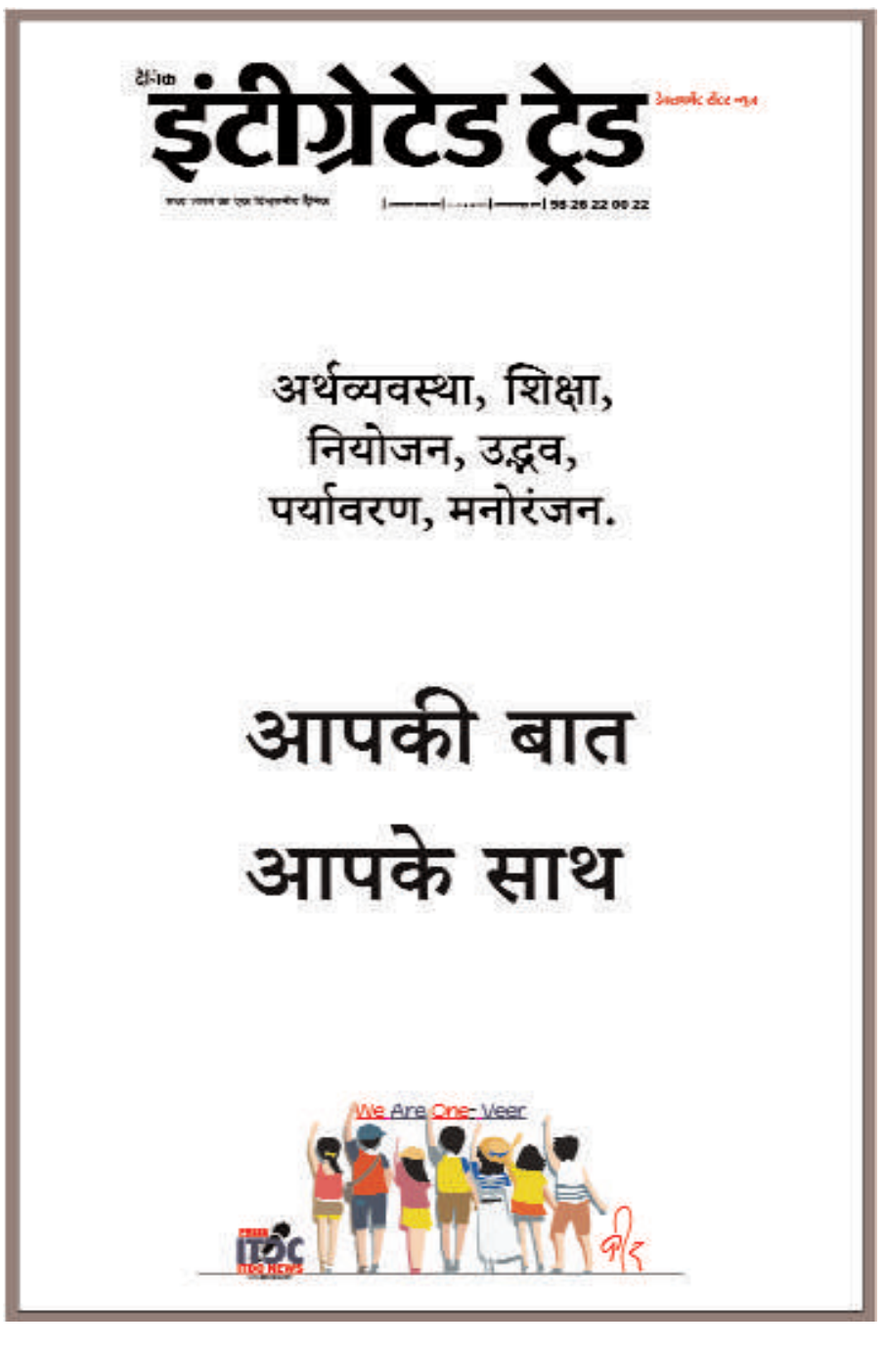

राजस्थान में 11 कैबिनेट और 4 राज्यमंत्रियों ने शपथ ली

रामलाल जाट, ममता और भजन लाल जाटव ने मुख्यमंत्री के पैर छुए, जाहिदा ने अंग्रेजी में ली शपथ

जयपुर।
तीन साल बाद गहलोत मंत्रिमंडल का विस्तार रविवार को हो गया है। 11 कैबिनेट और 4 राज्य मंत्री ने शपथ ली। राज्यपाल ने सबसे पहले हेमाराम चौधरी को शपथ दिलाई। हेमाराम ने मई में सरकार से नाराज होकर अपने क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। हरीश चौधरी की जगह बाड़मेर से अब हेमाराम को मौका दिया गया है। वे पिछली बार भी गहलोत सरकार में राजस्व मंत्री थे। दूसरे नंबर पर महेंद्रजीत सिंह मालवीय और तीसरे नंबर पर रामलाल जाट ने शपथ ली। रामलाल जाट सीएम के खास माने जाते हैं। शपथ के बाद उन्होंने सीएम के पैर छुए। चौथे नंबर पर महेश जोशी और पांचवें नंबर पर विश्वेंद्र सिंह ने शपथ ली। महेश जोशी को

गहलोत का संकटमोचक माना जाता है। छठे नंबर पर रमेश मीणा को शपथ दिलाई गई। सातवें नंबर पर ममता भूपेश और आठवें नंबर भजनलाल जाटव ने शपथ ली। भूपेश को राज्य मंत्री सेक कैबिनेट मंत्री के तौर पर प्रमोट किया गया है। दोनों ने शपथ के बाद ष्टरूके पैर छुए। इसके बाद टीकाराम जूली, गोविंद राम मेघवाल, शकुंतला रावत को शपथ दिलाई गई। राज्यमंत्री के तौर पर सबसे पहले बृजेंद्र सिंह ओला ने शपथ ली। इसके बाद मुरारीलाल मीणा, राजेंद्र सिंह गुढ़ा और जाहिदा ने शपथ ली। जाहिदा ने अंग्रेजी में शपथ ली।

पायलट की बॉडी लैंग्वेज रही चर्चा में

शपथ से पहले पायलट भी राजभवन पहुंचे। यहां वे सभी विधायक से गर्मजोशी के साथ मिले और हाथ मिलाए। शपथ समारोह में उनकी यह बॉडी लैंग्वेज काफी चर्चा में रही। जबकि इससे पहले पीसीसी में वे चुप रहे। यहां उन्होंने शांतिलाल धारीवाल और प्रताप सिंह खाचरियावास से भी हाथ मिलाए।

जो मंत्री नहीं बने उन्हें एडजस्ट करेंगे:- इससे पहले सीएम अशोक गहलोत ने कांग्रेस विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि जो मंत्री नहीं बन पाए हैं, उनकी भूमिका कम नहीं है। जो बच गए हैं उन्हें एडजस्ट किया जाएगा। जो धैर्य रखता है, उसे कभी न कभी मौका मिलता है। सब तरह से फैसला हुआ है।

इंदौर-भोपाल में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू होगा

पुलिस को मिलेंगे मजिस्ट्रियल पावर अप्रैल से लागू हो सकता है नया सिस्टम

भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश भर में बढ़ रही आपराधिक वारदात के बीच सरकार ने लॉ एंड ऑर्डर की लैबोरेटरी में पुलिस कमिश्नर सिस्टम लाने की तैयारी कर ली है। यानी सरकार ने पुलिस को मजिस्ट्रियल पावर देने का मन बना लिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को एक बार फिर इसकी घोषणा की। इसका मतलब है कि पुलिस को लाठीचार्ज और धारा 144 लागू करने के लिए कलेक्टर के आदेश का इंतजार नहीं करना होगा। गुंडों को जमानत मिलेगी या नहीं यह पुलिस की कोर्ट में तय होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहतर है। पुलिस अच्छा काम कर रही है। पुलिस और प्रशासन ने मिलकर कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन शहरी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। भौगोलिक दृष्टि से भी महानगरों का विस्तार हो रहा है और जनसंख्या भी लगातार बढ़ रही है, इसलिए कानून और व्यवस्था की कुछ नई समस्याएं पैदा हो रही हैं। उनके समाधान और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए हमने यह फैसला किया है। प्रदेश के 2 बड़े शहरों में राजधानी भोपाल और स्वच्छ शहर इंदौर में हम पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करेंगे, ताकि अपराधियों पर और बेहतर नियंत्रण कर सकें।

मुख्यमंत्री सचिवालय के अफसरों का कहना है कि दोनों शहरों में पुलिस कमिश्नर सिस्टम अगले साल अप्रैल माह से लागू होने की संभावना है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने विधानसभा में चार साल पहले यह घोषणा की थी, लेकिन ब्रूस अफसरों के विरोध के बाद यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि दोनों शहरों में कानून व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रखने के लिए पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया है। इस सिस्टम से साइबर क्राइम को रोकने में मदद भी मिलेगी। सरकार के स्तर पर यह कवायद पिछले 10 साल से चल रही है, लेकिन IAS लॉबी इसका लगातार विरोध करती आई है।

- प्रतिबंधात्मक धाराओं में गिरफ्तार आरोपियों की जमानत पुलिस की कोर्ट से होगी
- जिला बदर भी पुलिस अफसर ही तय करेंगे।
- सीमित क्षेत्र में धारा 144 लागू करने के अधिकार होंगे
- लाठीचार्ज की अनुमति कलेक्टर से नहीं लेनी होगी
- धरना-प्रदर्शन, रैलियों की अनुमति पुलिस देगी।

लॉ एंड ऑर्डर और इन्वेस्टिगेशन विंग अलग

राजधानी पुलिस ने लॉ एंड ऑर्डर और इन्वेस्टिगेशन विंग अलग-अलग बनाने का प्रयोग भी किया। यह प्रयोग सबसे पहले हबीबगंज थाने में किया गया, हालांकि वक्त के साथ-साथ यह भी फाइलों में बंद होकर रह गया।

क्या रहेगी प्रक्रिया

अभी यह तय होना बाकी है कि मध्यप्रदेश में पुलिस आयुक्त प्रणाली देश के अन्य महानगरों जैसी ही होगी या उसे किन्हीं बदलावों के साथ स्वीकार किया जाएगा, लेकिन यह तय है कि जिन शहरों में इसे लागू किया जाएगा, वहां पुलिस आयुक्त प्रशासनिक निर्णय लेने में सक्षम होगा।

2008 में स्क्वकसिस्टम

पुलिस कमिश्नर सिस्टम लागू करने का विरोध अप्रत्यक्ष तौर पर ब्रूस लॉबी ने वर्ष 2008 में शुरू कर दिया था। ऐसे में कामयाबी हासिल नहीं होने की स्थिति में IPS लॉबी ने SSP सिस्टम की वकालत की और किसी तरह दिसंबर 2009 में पहले इंदौर और फिर भोपाल में इसे लागू भी करा लिया था।

प्रगति मैदान में मध्यप्रदेश मण्डप बना आकर्षण का केन्द्र

राज्य मंत्री श्री भदौरिया मंडप देखने पहुँचे

भोपाल

देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित प्रगति मैदान में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2021 में मध्यप्रदेश के मण्डप की धूम मची हुई है। मध्यप्रदेश के मण्डप में जहाँ एक ओर प्रदेश के आर्थिक विकास के सजीव दर्शन हो रहे हैं, वहीं प्रदेश की सांस्कृतिक एवं पर्यटन संबंधी विविधताओं को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्री ओपीएस भदौरिया ने शनिवार को प्रगति मैदान पहुँचकर मध्यप्रदेश के मण्डप का जायजा लिया। श्री भदौरिया ने मण्डप का अवलोकन करने के बाद कहा कि इसमें आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये किए जा रहे प्रयासों को जीवंत ढंग से प्रदर्शित किया गया है। मध्यप्रदेश के मण्डप में आत्म-निर्भर भारत के तहत आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के रोडमेप और उपलब्धियों को बखूबी ढंग से दर्शाया गया है, जिसमें खासतौर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश बनाने के लिये बताए गए चार स्तम्भों अर्थात भौतिक अधोसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा और अर्थ-व्यवस्था एवं रोजगार पर केन्द्रित गतिविधियाँ प्रदर्शित की गई हैं। मण्डप में स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पाद तथा एक जिला-एक उत्पाद योजना के उत्पाद विशेष आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं, जिनमें शिवपुरी की जैकेट, टीकमगढ़ की पीतल की मूर्ति, उज्जैन का प्याज, डिण्डोरी की कोदो-कुदकी से बनी मिठाईयाँ, सीधी के कालीन, चंदेरी-अशोकनगर की साड़ियाँ और डिण्डोरी की गोंड पेंटिंग खास हैं। इस आयोजन में महिला वित्त एवं विकास निगम, मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन, एमएसएमई विभाग, मृगनयनी एम्पोरियम का विशेष सहयोग है।

विकास कार्य ऐसे होंगे जो अगली पीढ़ी तक के लिये स्थाई हों : मंत्री राजपूत

भोपाल

राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में 9 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन तथा लोकार्पण किया। इनमें सड़क निर्माण, नलजल योजना, मंगल भवन सहित अनेकों विकास कार्य शामिल रहे। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि जो कार्य 100 वर्षों में नहीं हो पाये वह विकास कार्य हमारी सरकार पूरा करेगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि जो विकास कार्य किये जा रहे हैं, वह एक-दो वर्षों के लिए नहीं बल्कि आगे आने वाली पीढ़ी के लिए स्थाई रहेंगे। इन कार्यों की गुणवत्ता और निगरानी स्थानीय जनता करेगी। श्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में पेयजल उपलब्ध कराना मेरा संकल्प है। आने वाले दिनों में सभी घरों में पाइप लाइन से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही ग्रामवासियों की समस्याओं को देखते हुए राजस्व के लंबित प्रकरणों का निराकरण ग्राम पंचायतों में राजस्व शिविर लगाकर किया जायेगा।

सभी को मिलेगा मालिकाना हक

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि स्वामित्व योजना में सभी ग्रामवासियों को मालिकाना हक के प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए शीघ्र ही संपूर्ण सुरखी क्षेत्र का ड्रोन के माध्यम से सर्वे किया जाएगा। मंत्री श्री राजपूत ने ग्रामवासियों से अपील की कि कोरोना से बचाव के लिये सभी लोग वैक्सीन के दोनों डोज अवश्य लगवाएँ, जिससे कोरोना संक्रमण से बचने का कवच प्राप्त किया जा सके। मंत्री श्री राजपूत ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के हितग्राहियों को लाड़ली लक्ष्मी प्रमाण-पत्र एवं राशन कार्ड वितरित किए।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट उद्यान में पर्यावरण प्रेमियों के साथ पौधा-रोपण किया।

न्यूज ब्रीफ

22 नवंबर को वृत्त एवं संभागीय मुख्यालयों पर आयोजित होंगे समाधान योजना शिविर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को समाधान योजना का त्वरित लाभ पहुँचाने के लिए वृत्त एवं संभागीय मुख्यालयों पर 22 नवंबर को समाधान योजना शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविर में उपभोक्ताओं को समाधान योजना के बारे में बताया जाएगा। साथ ही उपभोक्ताओं को योजना के विकल्पों का चयन, बकाया भुगतान के विकल्प, योजना में मिलने वाले लाभ आदि की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा विकल्प चयन करने वाले उपभोक्ताओं का मौके पर ही बिल लिया जाकर योजना का लाभ दिया जाएगा। कंपनी ने बताया है कि सोमवार को आयोजित होने वाले समाधान योजना शिविरों में माननीय मंत्री, क्षेत्रीय विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में बाढ़ वाले श्री गणेश मंदिर में पूजन-अर्चना की।

इंजीनियर आर्टिफिशियल इंटलीजेंस में दुनियां पर छा जाएं : मंत्री श्री सखलेचा

उद्योग व चिकित्सा क्षेत्र में आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस पर संगोष्ठी संपन्न

भोपाल

सूक्ष्म, लघु और मध्यम एवं विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा है कि भारतीय इंजीनियर को सर्वोच्च स्तर तक पहुंचना चाहिए और आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस की दिशा में भारत का नाम रोशन करें। आत्मनिर्भर भारत को बनाने में उद्योग व चिकित्सा क्षेत्र के साथ अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर काम हो। मंत्री श्री सखलेचा के मुख्य आतिथ्य में शनिवार को उद्योग व चिकित्सा क्षेत्र में आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस के उपयोग के संबंध में शनिवार को जबलपुर के सिविल लाइन स्थित द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स के सर विश्वेश्वरैया सभाकक्ष में संगोष्ठी सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जबलपुर के सांसद श्री राकेश सिंह थे तथा इस संगोष्ठी में देश के कई भागों से आये प्रतिष्ठित इंजीनियर्स उपस्थित रहे। संगोष्ठी में मंत्री श्री सखलेचा ने आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस के उपयोग के संबंध में कहा कि दुनिया में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाओं का वर्तमान में ही नहीं पहले से ही एक प्रतिष्ठित स्थान रहा है। भारत का वैज्ञानिक व इंजीनियर पूरी दुनिया में सम्मान पाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय इंजीनियर को उस स्तर तक पहुंचना चाहिए और अब आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस की दिशा में भारत का नाम रोशन करें। आत्मनिर्भर भारत को बनाने में उद्योग व चिकित्सा क्षेत्र के साथ अन्य क्षेत्रों में भी बेहतर काम हो। आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस से विश्व की कई धारणायें बदल सकती हैं और यह मानवता के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। विज्ञान और प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में इस दिशा में कई अवसर हैं उन्हें पहचानें और इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। आर्टीफिशयल इंटेलीजेंस एक ऐसी टेक्नोलॉजी है जिससे पूरा तरीका बदला जा सकता है अतः इस दिशा में कार्य करने का प्रयास हो। संगोष्ठी में सांसद श्री सिंह ने कहा कि आज बड़ा ही सौभाग्य का दिन है कि आर्टीफिशयल इंटेलीजेंसी के संबंध में प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व इंजीनियर्स के साथ संवाद हुआ। उन्होंने भारतीय ज्ञान का खजाना के संबंध में कहा कि बहुत से लोगों को यह भ्रम होता है कि तकनीक बाहर से ली गई है लेकिन देश के प्राचीनतम मंदिर व अनेक स्थापत्य से यह सिद्ध होता है कि यहां के इंजीनियर्स सर्वश्रेष्ठ हैं। जबलपुर पहले से ही इंजीनियरिंग का हब है, 75 साल पहले जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज की शुरूआत हुई। बैंगलोर के बाद जबलपुर में ही इंजीनियरिंग की नई शाखाएं शुरू की गईं। उन्होंने कहा कि आईटी पार्क आने वाले समय में एक बदले हुए स्वरूप में दिखाई देगा।

न्यूज ब्रीफ

आईआरसीटीसी अकाउंट से आधार को लिंक करके बुक कर सकते हैं 12 टिकट

नई दिल्ली। अब आप 1 महीने में 12 ट्रेन टिकट बुक कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए आपके आधार का आईआरसीटीसी के अकाउंट से लिंक होना जरूरी है। इसके पहले यात्री हर महीने 1 खाते से केवल 6 टिकट ही बुक कर सकते थे। आप आसानी से अपने आधार करे आईआरसीटीसी के अकाउंट से लिंक करा सकते हैं।

ऐसे करें आधार को लिंक

आईआरसीटीसी को आधार से लिंक करने के लिए सबसे पहले आपको http://www.irctc.co.in पर जाकर लॉग इन करें।
अब आप माय अकाउंट विकल्प पर टैब करें और लिंक योर आधार का विकल्प पर क्लिक करना होगा।
यहां मांगी गई जानकारी दर्ज करें।
फिर चेक बॉक्स में जाकर स्द्गठ्ठस्र ह्रञ्जक्क बटन दबाएंगे।
इसके बाद आपको रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक ओटीपी आएगा।
फिर आप उसके बाद वेरिफाई बटन पर जाकर क्लिक करेंगे। फिर आपको आधार वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने के लिए अपडेट बटन पर क्लिक करना होगा। एक बार केवायसी पूरा हो जाने पर आपका आधार आईआरसीटीसी से लिंक हो जाएगा। फिर आपके स्क्रीन पर इसके लिए एक कंफ्मेशन लिंक भी आएंगा। इतना हो जाने पर एक बार फिर लॉग आउट करके आईआरसीटीसी के साइट पर लॉगइन करेंगे। अपना आधार, केवायसी स्टेटस चेक करने के लिए आईआरसीटीसी के वेबसाइट पर जाकर माय अकाउंट ऑप्शन पर लिंक योर आधार पर जाकर चेक कर सकते है।

स्पेशल ट्रेन फिर हुईं रूटीन ट्रेन

कोरोना काल के दौरान स्पेशल का टैग लगने से बढ़े हुए किराये के साथ चल रहीं सभी ट्रेन अब पुराने नाम व नंबर के साथ चलने लगी हैं। मंत्रालय ने कहा है कि कोरोना काल में स्पेशल ट्रेन में बदल गईं सभी रेलगाड़ियां अब पहले की तरह सामान्य रूप से संचालित की जाएंगी। इससे इन ट्रेनों में वसूला जा रहा स्पेशल चार्ज घट जाएगा।

आने वाले पांच साल में 50 हजार करोड़ रुपए की हो जाएगी देश की ड्रोन इंडस्ट्री

नई दिल्ली

भारत में ड्रोन यानी अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम की इंडस्ट्री अगले 5 वर्षों में 10 गुना तक बढ़कर 50 हजार करोड़ रुपए की हो सकती है। इससे अगले 3 वर्षों में 10 हजार और 5 वर्षों में लगभग 20 हजार लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। देश में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए बनी गैर लाभकारी संस्था ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया के डायरेक्टर स्मित शाह ने बातचीत में यह जानकारी दी। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश...

भारत में ड्रोन और उनके उपयोग से संबंधित नियम रेगुलराइज हुए हैं। इससे भारत में ड्रोन के उपयोग को लेकर क्या बदलाव आएगा?

ड्रोन या अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) या इसे अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम (यूएएस) भी कहा जाता है। रेगुलराइजेशन से पहले भारत में ड्रोन का परिचालन गैरकानूनी ढंग से हो रहा था, लेकिन अब यह सेक्टर कानूनी तरीके से ग्रो कर सकेगा। पहले के नियमों में कई विसंगतियां थीं, जो दूर कर ली गई हैं। अब देश में ड्रोन का निर्माण और परिचालन काफी आसान हो गया है। इससे इस क्षेत्र में नए स्टार्टअप आएंगे और रोजगार बढ़ेगा।

ड्रोन इंडस्ट्री का फिलहाल कितना टर्नओवर है और अगले पांच वर्षों में कितना होने का अनुमान है?

फिलहाल ड्रोन इंडस्ट्री 5,000 करोड़ की है। सरकार का अनुमान है कि यह 5 वर्षों में 15 से 20 हजार करोड़ की इंडस्ट्री होगी। लेकिन हमारा अनुमान है कि 2026 तक यह 50,000 करोड़ के टर्नओवर तक पहुंच सकती है।

ड्रोन इंडस्ट्री बढ़ने से कितने रोजगार पैदा होंगे?

अभी यह इंडस्ट्री अपने शुरुआती चरण में है। लेकिन खुद सरकार का अनुमान है कि 3 साल के भीतर लगभग 10,000 नई नौकरियां पैदा होंगी। हमारा अनुमान है कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से यह आंकड़ा इससे काफी अधिक हो सकता है।

किस तरह की नौकरियों के अवसर पैदा होंगे?

ये पूरी तरह व्हाइट कॉलर जॉब होंगे। ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग, असेंबलिंग, मेंटेनेंस और रिपेयर के अलावा सॉफ्टवेयर डेवलपर और ड्रोन-पायलट के रूप में देश में बड़ी संख्या में रोजगार पैदा होंगे। ड्रोन पायलटों के लिए ट्रेनिंग सेंटर भी खुलेंगे, जिनसे कई लोगों को रोजगार मिलेगा। जैसे-जैसे इंडस्ट्री ग्रो करेगी, रोजगार की संख्या बढ़ती जाएगी।

सरकार की पीएलआई स्कीम का ड्रोन इंडस्ट्री को क्या फायदा मिलेगा?

भारत सरकार ने ड्रोन और ड्रोन कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए पीएलआई स्कीम मंजूर की है। इससे इस सेक्टर में अगले 3 वर्षों में 5 से 10 हजार करोड़ का निवेश होने की उम्मीद है। पीएलआई योजना से भारत ही नहीं बल्कि दुनियाभर के लिए भारत में ड्रोन, उनके कलपुर्जों और सॉफ्टवेयर के निर्माण और निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा।

ड्रोन का उपयोग किन-किन क्षेत्रों में होता है?

ड्रोन के मुख्यत: तीन उपयोग होते हैं, सर्वे, निरीक्षण और डिलीवरी। एरियल सर्वेक्षण के अलावा, पाइपलाइन, विंडमिल इत्यादि के निरीक्षण, डिफेंस के लिए और पहुंच विहीन इलाकों में दवाएं और जरूरी सामग्री पहुंचाने में ड्रोन काम आते हैं। इसके अलावा एरियल फोटोग्राफी, सिनेमेटोग्राफी में भी काम आते हैं। यही नहीं एयर टैक्सी के लिए भी ड्रोन का इस्तेमाल संभव है।

सेंट्रलाइज आईटी सिस्टम को मिली मंजूरी

नौकरी बदलने पर अपने आप ट्रांसफर हो जाएगा पीएफ

नई दिल्ली

नौकरी बदलने के बाद आपका पीएफ खाता खुद ब खुद नए अकाउंट में ट्रांसफर या मर्ज हो जाएगा। दिल्ली में शनिवार को ईपीएफओ बोर्ड की बैठक में पीएफ अकाउंट के सेंट्रलाइज आईटी सिस्टम को मंजूरी दी गई। अभी तक अकाउंट ट्रांसफर कराने का यह काम खुद करना होता है। इसके लिए पुरानी और नई कंपनी में कुछ कागजी औपचारिकताएं होती हैं जिन्हें पूरा करना होता है। इन कागजी कार्यवाही के चलते कई लोग पुरानी कंपनी में पीएफ का पैसा छोड़ देते हैं।

पीएफ पर ब्याज को लेकर कोई निर्णय नहीं

लोगों को उम्मीद थी कि इसमें एम्प्लॉई पेंशन स्कीम के तहत मिलने वाली मिनिमम पेंशन और पीएफ पर मिलने वाले ब्याज पर फैसला हो सकता है। लेकिन इस मीटिंग में इसको लेकर कोई निर्णय नहीं लिया गया। अभी पीएफ पर 8.5त्न सालाना ब्याज दिया जा रहा है।

ईपीएफओ की बोर्ड मीटिंग में कर्मचारियों के कुल सालाना जमा के 5त्न तक को बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्टों (इनविट्स) सहित वैकल्पिक निवेशों में डालने को मंजूरी दे दी है। सरकार कर्मचारियों के जमा पर ज्यादा रिटर्न कमाना चाहती है ताकि उन्हें ज्यादा ब्याज दिया जा सके।

पीएफ पर ब्याज के कम होने की उम्मीद नहीं

पर्सनल फाइनेंस एक्सपर्ट और ऑप्टिमा मनी मैनेजर्स के संस्थापक व सीईओ पंकज मठपाल कहते हैं कि सरकार इस समय कर्मचारियों के पैसों को ऐसी जगह निवेश करने के साधन ढूंढ रही है जहां से ज्यादा रिटर्न मिल सके। इसके अलावा 2022 में कई राज्यों में विधानसभा चुनाव भी है। इसके चलते 2021-22 के लिए पीएफ ब्याज दर में कटौती करके सरकार 6 करोड़ पीएफ अकाउंट होल्डर्स को नाराज नहीं करना चाहेगी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सऊदी अरामको के साथ सौदे पर नए सिरे से काम शुरू किया

नई दिल्ली

अरबपति उद्योगपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने सऊदी अरब की कंपनी सऊदी अरामको को अपनी तेल रिफाइनरी और पेट्रोरसायन कारोबार में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के प्रस्तावित 15 अरब डॉलर के सौदे के पुनर्मूल्यांकन की घोषणा की है। इससे पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज इस सौदे को लेकर दो बार स्व-निर्धारित समयसीमा से चूकी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को कहा कि दोनों कंपनियों ने भारतीय फर्म के नए ऊर्जा कारोबार में प्रवेश के मद्देनजर प्रस्तावित निवेश का पुनर्मूल्यांकन करने पर सहमति जताई है। हिस्सेदारी बिक्री के लिए बातचीत की खबर पहली बार अगस्त, 2019 में आधिकारिक तौर पर सामने आई थी। इस बीच, तीन वर्षों में रिलायंस ने वैकल्पिक ऊर्जा में 10 अरब डॉलर का निवेश करके नए ऊर्जा कारोबार में प्रवेश किया। इसके मद्देनजर इस सौदे का पुनर्मूल्यांकन किया जा रहा है। आरआईएल ने एक बयान में कहा, ''कंपनी के व्यापार पोर्टफोलियो की विकसित होती प्रकृति के कारण रिलायंस और सऊदी अरामको ने पारस्परिक रूप से यह तय किया है कि दोनों पक्षों के लिए बदले हुए संदर्भ के मद्देनजर ओ2सी (तेल से लेकर रसायन तक) व्यवसाय में प्रस्तावित निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना फायदेमंद होगा। रिलायंस ने कहा कि साथ ही ओ2सी कारोबार को अलग करने के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष किए गए आवेदन को वापस लिया जा रहा है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की राज्यों से अपील, जेट ईंधन पर घटाएं वैट

नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से एक बार फिर जेट ईंधन (एटीएफ) पर कर कम करने का आग्रह किया है। सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि इस कदम से हवाई यातायात को बढ़ाने में मदद मिलेगी। नागर विमानन क्षेत्र कोरोना वायरस महामारी से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। महामारी की वजह से अनुसूचित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी स्थगित हो गई थीं। अब धीरे-धीरे यह क्षेत्र वापसी के पथ पर लौट रहा है और हवाई यातायात कोविड-पूर्व के स्तर के करीब है। इसके मद्देनजर सिंधिया राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से एटीएफ पर मूल्यवर्धित कर (वैट) को कम करने का आग्रह कर रहे हैं, जो एक एयरलाइन की परिचालन लागत का एक बड़ा हिस्सा होता है। यहां राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागर

विमानन मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सभी हितधारकों के सहयोग और समर्थन पर जोर दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्री ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से विमानन ईंधन पर वैट कम करने की अपील की है क्योंकि यह उड़ानों की परिचालन लागत का बड़ा हिस्सा होता है। हाल के महीनों में ईंधन की कीमतों में उछाल आया है। सिंधिया ने उन राज्यों का आभार जताया जिन्होंने दरों में भारी कटौती की है। उन्होंने कहा कि ईंधन कर में कमी करने के कुछ ही समय के भीतर हवाई यातायात गतिविधियों में वृद्धि हुई है। मंत्री ने बृहस्पतिवार को कहा कि सात राज्यों ने ईंधन पर अपना वैट घटा दिया है और वह उम्मीद कर रहे हैं कि और राज्य भी इसका अनुसरण करेंगे।

वैश्विक कारक देंगे बाजार को दिशा, रह सकता है उतार-चढ़ाव : विश्लेषक

नई दिल्ली

घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े घटनाक्रम के अभाव में इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक संकेतक तय करेंगे। इसके अलावा डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से भी बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''सप्ताह के दौरान 25 नवंबर को माह के डेरिवेटिव्स अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में काफी उतार-चढ़ाव रह सकता है। साथ ही घरेलू मोर्चे पर कोई बड़ा घटनाक्रम नहीं होने की वजह से निवेशक संकेतकों के लिए वैश्विक बाजारों पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करेंगे।'' सैमको सिक्योरिटीज में इक्विटी शोध प्रमुख येशा शाह ने कहा, ''तिमाही नतीजों का सीजन समाप्त होने के बाद दलाल पथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों से दिशा लेगा। किसी तरह के सकारात्मक उत्प्रेरक के अभाव में बाजार दबाव में रह सकता है।'' उन्होंने कहा कि बाजार पर वैश्विक वृहद रुख का प्रभाव रहेगा, ऐसे में निवेशकों को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखने की जरूरत होगी और आक्रामक रुख अपनाने के बजाय चुनिंदा दृष्टिकोण का विकल्प चुनना होगा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,050.68 अंक या 1.73 प्रतिशत टूट गया। शुक्रवार को 'गुरु नानक जयंती' के मौके पर बाजार बंद रहे। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''आगे मुद्रास्फीतिक दबाव वैश्विक बाजारों के लिए चिंता का विषय रहेगा। ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से भारत जैसे उभरते बाजारों से पूंजी निकाली जा सकती है।''

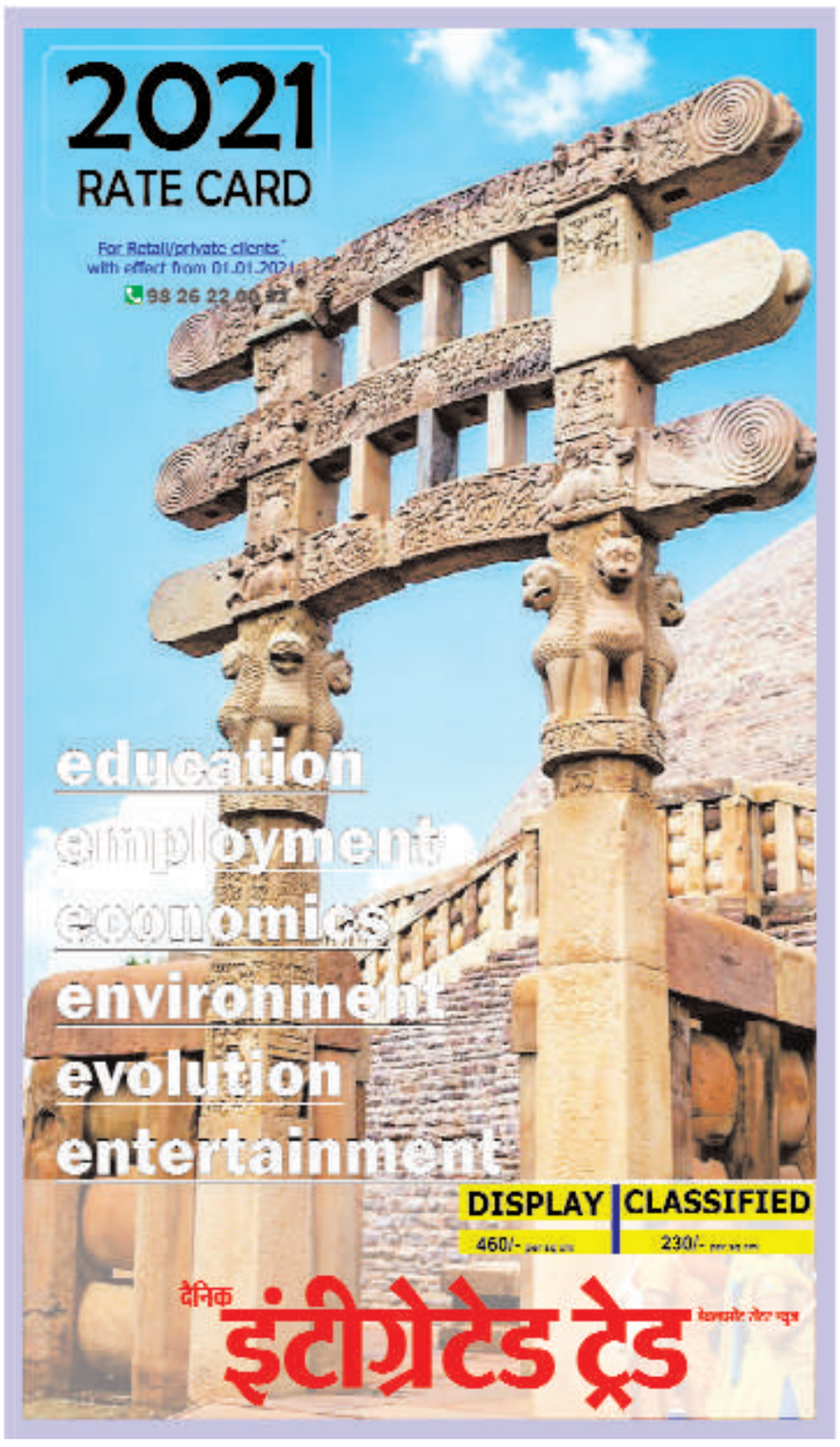

अब ट्रेनों में मिलेगा पका हुआ खाना, आईआरसीटीसी को दिया सर्विस शुरू करने का आदेश

नई दिल्ली

रेलवे बोर्ड ने रेलगाड़ियों में यात्रियों को पका हुआ भोजन (कुक्ड फूड)परोसना फिर से शुरू करने का आदेश जारी किया है। इस सेवा को कोविड-19 प्रतिबंधों की वजह से बंद कर दिया गया था। रेलवे बोर्ड ने शुक्रवार को एक पत्र में भारतीय रेलवे खानपान एंड पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को सेवा फिर से शुरू करने को कहा। रेलवे बोर्ड ने यह भी कहा

कि यात्रियों को 'खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) भोजन भी परोसा जाता रहेगा। पत्र में कहा गया है, सामान्य ट्रेन सेवाओं की बहाली, यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकताओं और देशभर के भोजनालयों, रेस्तरां, होटलों और ऐसे अन्य स्थानों पर कोविड लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील के मद्देनजर, रेल मंत्रालय द्वारा रेलगाड़ियों में पके हुए भोजन की सेवाओं को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। खाने के लिए तैयार भोजन की सेवा भी जारी रहेगी। इस महीने की शुरुआत में रेलवे ने महामारी के चलते बाधित सामान्य ट्रेन परिचालन को बहाल करने की घोषणा की थी।

चीन बातचीत से सीमा विवाद सुलझाने का इच्छुक नहीं, भारत को उसी की भाषा में देना होगा जवाब

सीमा विवाद हल करने के लिए भारत और चीन के बीच अगले दौर की बातचीत के ठीक पहले ऐसी खबरें आना शुभ संकेत नहीं कि चीन ने डोकलाम के निकट भूटान की सीमा पर चार गांव बसा लिए हैं। वस्तुस्थिति क्या है, यह शीघ्र सामने आना चाहिए- न केवल भूटान सरकार की ओर से, बल्कि भारत सरकार की ओर से भी। इसी के साथ उस दावे की भी पड़ताल होनी चाहिए, जिसके तहत यह कहा जा रहा है कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश सीमा पर भी एक गलियारा विकसित कर लिया है। कहीं यह गलियारा भी उसी तरह भारत से छीनी गई जमीन पर तो नहीं, जैसे वह गांव है, जिसका जिक्र अभी हाल में अमेरिकी रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में किया गया? सच जो भी हो, भारत को इस नतीजे पर पहुंचने में और देर नहीं करनी चाहिए कि चीन बातचीत से सीमा विवाद को सुलझाने का इच्छुक नहीं और वह इंच दर इंच भारतीय सीमा की ओर बढ़ने के साथ विवादित क्षेत्रों में निर्माण कार्य करने में लगा हुआ है। उसके इस खतरनाक इरादों की भनक उसकी ओर से बनाए गए भूमि सीमा कानून से मिलती है। भले ही इस कानून का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास करना बताया जा रहा हो, लेकिन उसका असल मकसद अपने कब्जे वाले इलाकों में अपना दखल बढ़ाना है। इस कानून का असर भारत-चीन सीमा विवाद पर भी पड़ सकता है।

भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि चीन एक अर्से से सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य ढांचा मजबूत करने के साथ अपने बुनियादी ढांचे को भी विस्तार दे रहा है। वह इन क्षेत्रों में सड़क, रेल और हवाई नेटवर्क बढ़ाने के साथ लोगों को भी बसा रहा है। निस्संदेह भारत भी चीन से लगती सीमा पर अपने बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के साथ अपनी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रहा है, लेकिन अभी बहुत कुछ करना शेष है। यह शेष काम तेजी से करने में जरूरी राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिए जाने के बाद भी संसाधनों की कमी आड़े आ रही है।

स्पष्ट है कि चीन इसका ही लाभ उठा रहा है। यदि उसे उसी की भाषा में जवाब नहीं दिया गया तो फिर उसका दुस्साहस और अधिक बढ़ना तय है। वैसे भी इस समय वह बेलगाम है और विश्व समुदाय उसका मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं दिखता। इसी कारण वह एक ओर जहां तिब्बत में अपना दखल बढ़ा रहा है, वहीं दूसरी ओर ताइवान पर भी कब्जा करने के मूड में है। चीन जैसी शरारत पर आमादा है और जिस तरह शत्रु राष्ट्र जैसा व्यवहार कर रहा है, उसे देखते हुए यह साफ है कि रक्षात्मक रवैये के सहारे उससे नहीं निपटा जा सकता।

संपादकीय

प्रदूषण से निपटने के लिए अपनाए जाएं दीर्घकालिक उपाय

दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर तीखी टिप्पणियां कीं। इस बार उसने नौकरशाही को निशाने पर लेते हुए कहा कि वह निष्क्रिय है। उसका यह कहना सही है, लेकिन उसके इस आकलन से सहमत नहीं हुआ जा सकता कि दिल्ली में पांच और सात सितारा सुविधाएं ले रहे लोग प्रदूषण के लिए किसानों को दोष देते हैं। एक तो प्रदूषण अमीर-गरीब, सभी को प्रभावित करता है और दूसरे, इस सच से मुंह मोड़ने का कोई मतलब नहीं कि पंजाब और हरियाणा के खेतों में जलने वाली पराली का धुआं दिल्ली-एनसीआर के वायुमंडल को जहरीला बनाने का काम करता है। निस्संदेह इसमें सड़कों एवं निर्माण स्थलों से उड़ने वाली धूल, वाहनों के उत्सर्जन और कारखानों के धुएं का भी योगदान होता है, लेकिन यदि किसानों को पराली जलाने से रोकने के कोई कदम नहीं उठाए जाएंगे तो समस्या और अधिक गंभीर रूप ही लेगी।

सुप्रीम कोर्ट को इसका आभास हो तो बेहतर कि उसकी ओर से लाकडाउन लगाने, वर्क फ्राम होम लागू करने के जो उपाय सुझाए गए, उनसे भी बात बनने वाली नहीं। ये फौरी और सीमित असर वाले उपाय हैं। आज जरूरत इसकी है कि प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक उपाय अपनाए जाएं। केवल अक्टूबर-नवंबर में, जब प्रदूषण गंभीर रूप

धारण कर लेता है, तब उसे कम करने के उपायों पर जोर देने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। मुश्किल यह है कि सरकारें और उनकी नौकरशाही तभी चेतती है जब प्रदूषण रूपी समस्या सिर पर आकर खड़ी हो जाती है।

उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर संग शेष उत्तर भारत को प्रदूषण से बचाने के लिए वैसे ही उपायों पर ध्यान दे, जैसे उसने एक समय सीएनजी वाहनों को चलाने और उद्योगों को दिल्ली से बाहर ले जाने के रूप में किए थे। उसे सरकारों और उनकी निष्क्रिय नौकरशाही को इसके लिए बाध्य करना होगा कि वे केवल अक्टूबर-नवंबर में ही नहीं, बल्कि वर्ष भर प्रदूषण की रोकथाम के लिए सजग रहें।

इस सतत सजगता के तहत धूल की समस्या से निजात पाने के साथ ऐसी व्यवस्था भी करनी होगी, जिससे वाहन रेंगते हुए चलने के लिए बाध्य न हों। इसके अलावा कूड़े को जलने से रोकना होगा और कोयले के इस्तेमाल को भी नियंत्रित करना होगा। इसके साथ ही पराली को भी जलने से रोकना होगा, क्योंकि एक खास अवधि में प्रदूषण में उसके धुएं का योगदान 40 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। यदि इन सभी उपायों पर अमल नहीं किया जाता तो फिर जब तक बारिश नहीं हो जाती, तब तक कोई कुछ भी कर ले, प्रदूषण से राहत नहीं मिलने वाली।

अमीर देशों पर लगाया जाए प्रदूषण शुल्क

हाल में संपन्न ग्लासगो जलवायु सम्मेलन के अध्यक्ष और ब्रिटेन के उद्योग, व्यवसाय एवं ऊर्जा मंत्री अशोक शर्मा को जलवायु घोषणापत्र जारी करते हुए अपने आंसू रोकने पड़े। क्यों? क्योंकि आगरा मूल के शर्मा कोयले के प्रयोग पर भारत और चीन के रवैये से दुखी थे। दरअसल अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के विकसित देश चाहते थे कि घोषणापत्र में कोयले का अबाधित प्रयोग चरणबद्ध तरीके से बंद करने की बात की जाए। तापमान बढ़ाने वाले प्रदूषण के लिए 40 प्रतिशत तक कोयले के उपयोग को जिम्मेदार माना जाता है। भारत, चीन और दूसरे विकासोन्मुख देशों का धर्मसंकट यह था कि उनके बिजलीघर और तमाम कारखाने कोयले से चलते हैं। दुनिया में इस समय लगभग 2500 कोयला बिजलीघर हैं। इनमें से 1082 अकेले चीन में हैं। वहां लगभग रोज एक नया कोयला बिजलीघर बन रहा है। भारत में कोयला संचालित 281 बिजलीघर हैं। उनके अलावा इस्पात और सीमेंट के कारखानों और ईंट भट्ठों आदि में भी कोयला जलता है। विकसित देशों में अधिकांश बिजलीघर गैस से चलते हैं। वहां सौर और पवन जैसे अक्षय ऊर्जा के स्नेतों से भी बिजली बनने लगी है। भारत की समस्या यह भी है कि उसे हर साल करीब 7.5 लाख करोड़ रुपये के तेल और गैस का आयात करना पड़ रहा है और तीन लाख करोड़ रुपया तेल एवं गैस की खोज और उपभोक्ताओं के लिए सब्सिडी पर भी खर्च करना पड़ता है। कोयला भारत में प्रचुर मात्र में है। ऐसे में यदि वह तेल और गैस पर अपनी निर्भरता घटाने के लिए बिजली का विकल्प अपनाता है तो उसे चीन की तरह सैकड़ों बिजलीघर और बनाने होंगे, जो मुख्यत~ कोयला संचालित होंगे। ऐसा इसलिए, क्योंकि अक्षय ऊर्जा क्षमताएं बढ़ाने में काफी धन और समय लगेगा। जबकि आर्थिक विकास के साथ-साथ बिजली की मांग तेजी से बढ़ेगी और अकेले अक्षय ऊर्जा शायद उसे पूरा नहीं कर पाएगी। इस चुनौती से निपटने के लिए भारत विकसित देशों से स्वच्छ ऊर्जा तकनीक और उसे अपनाने के लिए जरूरी धन की मांग

करने के साथ ही इस मुहिम में विकासशील देशों का नेतृत्व भी करता आ रहा है। जलवायु न्याय का भी यही तकाजा है, क्योंकि विकसित देशों के प्रदूषण से ही जलवायु आज की गंभीर स्थिति में पहुंची है। चिंता की बात यह है कि विकसित देश स्वच्छ तकनीक देने, उसे अपनाने के लिए पैसा देने को राजी नहीं। 2009 के सम्मेलन में उन्होंने वादा किया था कि वे हर साल 10,000 करोड़ डालर दिया करेंगे, जो उन्होंने आज तक पूरा नहीं किया।

आलोक शर्मा की आंखें अगर विकसित देशों की इसी नाकामी पर भी भर आई होतीं, तो कुछ बात होती, लेकिन ऐसा नहीं था। दरअसल, पिछले आधे दशक तक जलवायु परिवर्तन को लेकर कई विकसित देशों में लोगों की राय बंटी हुई थी। इसलिए वे पैसे देने के लिए सहज तैयार नहीं थे, परंतु अब उनकी राय बदलने लगी है। जहां उनकी यह राय बदली वहीं कोरोना के कारण अर्थव्यवस्थाओं पर बढ़े बोझ के कारण फिलहाल वे पैसे देने की मांग पर कान देने को तैयार नहीं। इसका ही नतीजा है कि बहुचर्चित जलवायु अनुकूलन कोष के लिए ग्लासगो सम्मेलन में मात्र 35 करोड़ डालर की रकम ही जमा हो पाई। जलवायु न्याय को ऐसी समस्याओं की बलि चढ़ने से बचाने के लिए विश्वविख्यात अर्थशास्त्री जैफरी सैक्स ने एक युक्ति सुझाई है। उनके अनुसार विकासोन्मुख देशों की ऊर्जा जरूरतों और प्रदूषण फैलाने की अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के सिद्धांत को देखते हुए अमीर देशों पर प्रदूषण शुल्क लगाया जाए। इसमें ऊंची आय वाले देश पांच डालर प्रति टन और मध्यम आय वाले देश 2.5 डालर प्रति टन का प्रदूषण शुल्क भरें। यह शुल्क हर पांच साल बाद बढ़ाकर दोगुना कर दिया जाए। फिलहाल धनी देशों का सालाना प्रदूषण 1200 करोड़ टन है और मध्यम आय वाले देशों का 1600 करोड़ टन। ऐसे में इस शुल्क से सालाना करीब 10,000 करोड़ डालर जमा होने लगेंगे। इसमें से 5,000 करोड़ डालर सीधे अनुदान के तौर पर बांट दिए जाएं। शेष 5,000 करोड़ डालर विश्व बैंक, अफ्रीकी विकास बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी वित्तीय संस्थाओं को दिए जा सकते हैं। इससे विकासोन्मुख देशों की स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का सामना करने में मदद हो जाएगी। वहीं प्रदूषण शुल्क घटाने के लिए विकसित देशों पर प्रदूषण कम करने का दबाव बढ़ेगा।

यदि जेफरी सैक्स की उक्त योजना मान ली जाए तो नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने और विकासोन्मुख देशों को 10,000 करोड़ डालर सालाना की सहायता देने जैसी बातें सिर्फ शिगूफा नहीं रह जाएंगी। इस समय सभी देश कुल मिलाकर 3300 करोड़ टन प्रदूषण वायुमंडल में छोड़ रहे हैं। औसत तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने संबंधी लक्ष्य पूर्ति के लिए 2030 तक प्रदूषण का यह स्तर घटाकर 2640 करोड़ टन तक लाना होगा। हालांकि, ग्लासगो में शामिल हुए 197 देशों की योजनाओं को देखें तो 2030 तक यह 4190 करोड़ टन हो जाएगा। इससे तापमान बढ़कर 2.4 डिग्री तक पहुंचने की आशंका है। ऐसे में भारत जैसे विकासोन्मुख देशों को सोचना होगा कि कोयले के प्रयोग पर अंकुश लगाने और जलवायु न्याय की वकालत करने भर से हम जलवायु परिवर्तन की मार से नहीं बच सकते। आज भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की जलवायु इतनी जहरीली हो चुकी है कि उससे हर साल करीब 17 लाख लोगों की मौत होने लगी है। यह आंकड़ा द लैंसेट पत्रिका का है। वहीं हार्वर्ड के एक शोध के अनुसार, भारत में हर तीसरी मौत वायु प्रदूषण से हो रही है। वायु प्रदूषण में कोयला बिजलीघरों, विमानों, पेट्रोल-डीजल वाहनों, भवन निर्माण की धूल और खेतों में जलने वाली पराली, सबका हाथ है। इसलिए यह भारत के ही हित में है कि वह कोयले और पेट्रोल-डीजल का प्रयोग बंद करने और जल्द स्वच्छ ऊर्जा से सारी बिजली बनाने और उसी बिजली से चलने वाले वाहनों की तरफ बढ़े। साथ ही प्रत्येक नागरिक को भी जलवायु में स्वयं को हितधारक समझकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। यह बहुत बड़ा बुनियादी परिवर्तन है जो राजनीतिक आम सहमति और जन सहमति के बिना संभव नहीं।

एकाकीपन के दर्द से जूझते बुजुर्ग

हाल में बंबई उच्च न्यायालय ने उद्योगपति विजयपत सिंघानिया की आत्मकथा की बिक्री पर रोक लगा दी, क्योंकि उनके बेटे ने उस पर आपत्ति जताई थी। इससे आहत विजयपत सिंघानिया ने कहा कि जीते जी अपनी जायदाद कभी अपने बच्चों को न दें। आज उन्हें किराये के घर में रहना पड़ रहा है। कभी वह अपना हेलीकाप्टर खुद उड़ाते थे, लेकिन आज वह कहते हैं कि उनकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। सोचने की बात है कि यदि ऐसे साधन संपन्न व्यक्ति की अपने देश में ऐसी हालत हो सकती है, तो किसी गरीब बुजुर्ग की हालत कैसी होती होगी? सिंघानिया ने जैसी दुख भरी कहानी सुनाई, उस पर हिंदी में तमाम फिल्में भी बन चुकी हैं, जहां माता-पिता की सारी जमीन-जायदाद हथियाकर उन्हें बेघर कर दिया जाता है। ऐसी खबरें भी आए दिन छपती हैं, जहां कई बार पुलिस और न्यायालय को बुजुर्गों के पक्ष में हस्तक्षेप करना पड़ता है। अपने आसपास भी ऐसी घटनाएं रोज घटित होती हैं और हम इन लोगों की स्थिति पर सिवाय तरस खाने के और कुछ नहीं कर सकते।

वह कहानी तो याद ही होगी कि एक बुजुर्ग महिला अपने संदूक को ताला लगाकर, उसकी चाबी हमेशा अपने सिरहाने या साड़ी के पल्लू में बांधकर रखती थी। सभी बेटे, बहुएं और उनके बच्चे इसी आशा में उसकी सेवा करते थे कि इस भारी-भरकम संदूक में बंद धन उन्हें ही मिलेगा, मगर महिला की मृत्यु के बाद जब संदूक को खोला गया तो पता चला कि उसमें तो बड़े-बड़े पत्थर भरे थे। उस महिला को पता था कि सेवा तो मेवा के बदले ही की जाती है। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा ही है- स्वारथ लाग करें सब प्रीती। पंचतंत्र में भी कहा गया है कि यदि कंचन पास न हो तो कामिनी भी अपनी नहीं रहती। कुल मिलाकर सभी रिश्तों का सार यही है कि जिसके पास धन और संपदा हो तो सारे रिश्ते भी उसके अपने हैं। पराये भी अपने बन जाते हैं। यदि धन न हो तो अपने भी अपने नहीं रहते, लेकिन इन सब बातों से इतर एक बात पिछले दिनों से बहुत शिद्दत से महसूस हो रही है।

जर्मनी में रहने वाले एक मित्र ने बताया कि उसके पिता दिल्ली में अकेले रहते हैं। एक दिन उसने जब उन्हें फोन किया तो पिता ने उठाया नहीं। एक बार नहीं, दस बार करने पर भी उसे जवाब नहीं मिला तो चिंता हुई। संयोग से पड़ोस में रहने वाली एक महिला को फोन किया। उन्होंने सोसाइटी वालों को बुलाया। किसी ने खिड़की से झांककर देखा। बुजुर्ग बिस्तर पर पड़े थे। जैसे-तैसे दरवाजा खोला तो पता चला कि बेहोश हैं। पड़ोसी अच्छे थे, फौरन अस्पताल ले गए। पता चला कि बुजुर्ग डायबिटिक कोमा में चले गए थे। एक दूसरे साथी की मां बाथरूम में गिर पड़ीं। कूल्हे की हड्डियां टूट गईं। बेटा विदेश में। महिला के लिए उसने 24 घंटे देखभाल के लिए मेडिकल नर्स और एक सहायिका रखी। महिला कुछ ठीक हुईं। सहारे से चलने-फिरने भी लगीं, लेकिन एक दिन फिर गिर पड़ीं। इस बार गिरीं तो उठी ही नहीं। अंतिम वक्त उनके पास अपना कोई नहीं था। जब कोई अपना पास में न हो तो किसी पराये का क्या ही भरोसा। इन दिनों घर-घर में ऐसे बुजुर्गों की बड़ी संख्या है, जिनके पास साधनों की कोई कमी नहीं है। आय है। बचत है। अपना घर है। नहीं है, तो बस ऐसा कोई अपना जिन्हें खून का रिश्ता कहा जाता है। जिसे ह्यूमन रिसोर्स कहते हैं।

जिन बुजुर्गों के बच्चे उन्हें बेसहारा छोड़ देते हैं, वे तो हैं ही, ऐसे बुजुर्ग भी बढ़ते चले जा रहे हैं, जो जीवन के इस चौथेपन में अकेले हैं। बच्चे या तो विदेश में हैं या दूसरे शहरों में। पास-पड़ोस में भी ऐसा अब बहुत कम रह गया है कि पड़ोसी, पड़ोसी के काम आ जाए। वैसे भी सच यह है कि कोई किसी के काम एक दिन आ सकता है, चार दिन भाग-दौड़ कर सकता है, लेकिन महीनों कोई किसी की देखभाल नहीं कर सकता। सबके अपने दैनंदिन काम हैं, नौकरी है, पारिवारिक जिम्मेदारियां हैं। ऐसे में सब अपने परिवारों की तरफ देखते हैं। इसके अलावा अकेले बुजुर्गों के लिए असुरक्षा भी है। कितनी बार ऐसी घटनाएं होती हैं कि जिन्हें ये अपनी देखभाल के लिए रखते हैं, वे ही इनके प्रति भयंकर अपराधों को अंजाम देते हैं। इन अपराधों में लूटपाट और हत्या तक शामिल हैं। तिस पर यदि ये अकेले बुजुर्ग बीमार भी हैं, चल-फिर नहीं सकते, तो ऐसी घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। वे अक्सर अपराधों के शिकार भी हो जाते हैं।

बहुत से लोग कहते हैं कि वे अपने पिता या मां को साथ ले जाना चाहते हैं, मगर वे उनके साथ जाना ही नहीं चाहते। पराये देश में उनका मन नहीं लगता। बच्चे तो काम पर चले जाते हैं, वे अकेले घर में रह जाते हैं। वहां न किसी से बात कर सकते हैं, न मिल सकते हैं, जबकि यहां अकेले होते हुए भी चार बातें करने वाला कोई न कोई मिल ही जाता है। ऐसे में हाल यह है कि न ये वहां जा सकते हैं, न बच्चे अपनी रोजी-रोजगार छोड़कर यहां आ सकते हैं। आखिर इस उम्र में अकेले इनका गुजारा कैसे हो? हम अक्सर पश्चिम को कोसते रहते हैं। स्वयं को उनसे महान बताते रहते हैं, लेकिन वहां यदि परिवार किसी बुजुर्ग की देखभाल नहीं कर रहा है तो वे 'ओल्ड एज होम' यानी वृद्धाश्रम में जा सकते हैं। अपने यहां अव्वल तो उस दर्जे की सुविधाएं ही नहीं हैं। जो हैं भी उनकी शर्तें ऐसी हैं कि हर कोई वहां नहीं जा सकता। वैसे भी गंभीर रूप से बीमार की देखभाल करने के लिए शायद ही कोई ओल्ड एज होम तैयार होता है। यों भी गाहे-बगाहे कुछ लोग यह कहते रहते हैं कि बुजुर्ग अर्थव्यवस्था पर बोझ होते हैं। साफ है कि बुजुर्गों की भलाई के लिए समाज और सरकार को कुछ करना होगा।

कविता

दूरस्थ कुणी दे तुझ्या करी ही कविता
वाहते जिच्यातून त्याची जीवन सरिता

खळखळे अडखळे सुके कधी फेसाळे
परी अखंड शोधे वाट समुद्राकरिता

खडकाळ प्रांत तो ही जेथून निघाली
पथ शोधित आली रानातून अकेली

नच रम्य राउळे कलापूर्ण वा घाट
तीरावर तुरळक परी अंकुरती वेली

नव पर्णांच्या ह्या विरळ मांड्वाखाली
होईल सावली कुणा कुणास कहाली

कोपेल कुणी शापील कुणी दुर्वास
ह्या जळोत समिधा भव्य हवी व्रुक्षाली

"समिधाच सख्या या, त्यात कसा ओलावा,
कोठून फुलांपरि वा मकरंद मिळावा?

जात्याच रुक्ष या, एकच त्या आकांक्षा
तव आन्तर अग्नी क्षणभर तरि फुलवावा!"

-- कुसुमाग्रज

व्यायाम शरीर में कैनाबिनॉइड को बढ़ा देता है, पुरानी सूजन से लड़ने में मदद करता है

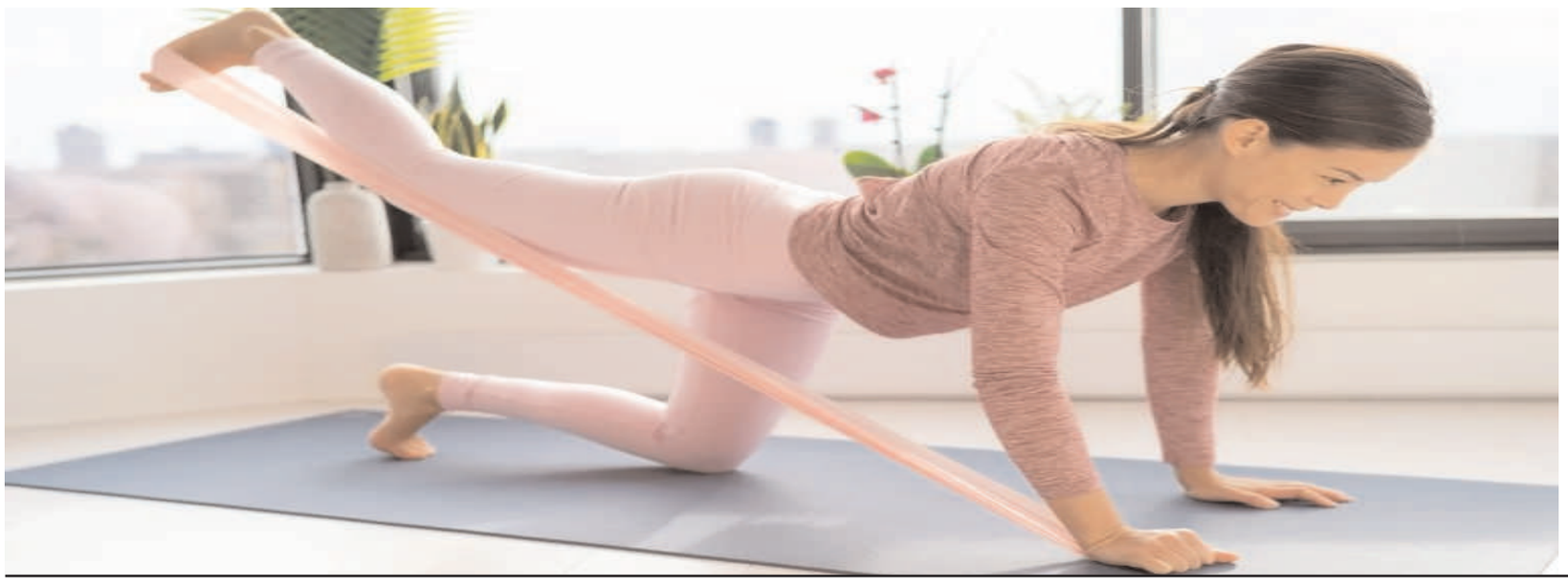

एक नए अध्ययन के अनुसार, व्यायाम शरीर के प्राकृतिक कैनाबिनॉइड जैसे रसायनों को बढ़ाता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है और संभावित रूप से गठिया, कैंसर और हृदय रोग सहित बीमारियों के इलाज में मदद कर सकता है। नॉटिंघम विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, गठिया से पीड़ित लोग जिन्होंने व्यायाम किया, उनके दर्द और साइटोकिन्स नामक प्रोटीन के स्तर को कम कर दिया। इसने एंडोकैनाबिनोइड्स की मात्रा भी बढ़ाई, जो शरीर द्वारा उत्पन्न कैनाबिनॉइड जैसे रसायन हैं। व्यायाम, दिलचस्प रूप से पर्याप्त, आंतों के सूक्ष्मजीवों को संशोधित करके इन परिवर्तनों का कारण बना। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रोफेसर एना वाल्डेस के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम ने अध्ययन के लिए गठिया से पीड़ित 78 व्यक्तियों का आकलन किया, जो कि गट माइक्रोब्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ था। छह हफ्तों के लिए, उनमें से 38 ने हर दिन 15 मिनट की मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम किए, जबकि अन्य 40 ने कुछ नहीं किया। व्यायाम करने वाले प्रतिभागियों को न केवल कम दर्द था, बल्कि उनके पेट में अधिक सूक्ष्मजीव भी थे जो परीक्षण के अंत में यौगिकों, साइटोकिन्स के निचले स्तर और उच्च मात्रा में एंडोकैनाबिनोइड्स बनाते हैं।

डेल्टा जैसे SARS-CoV-2 उत्परिवर्तन की उपस्थिति बढ़ा देती है महामारी की गंभीरता

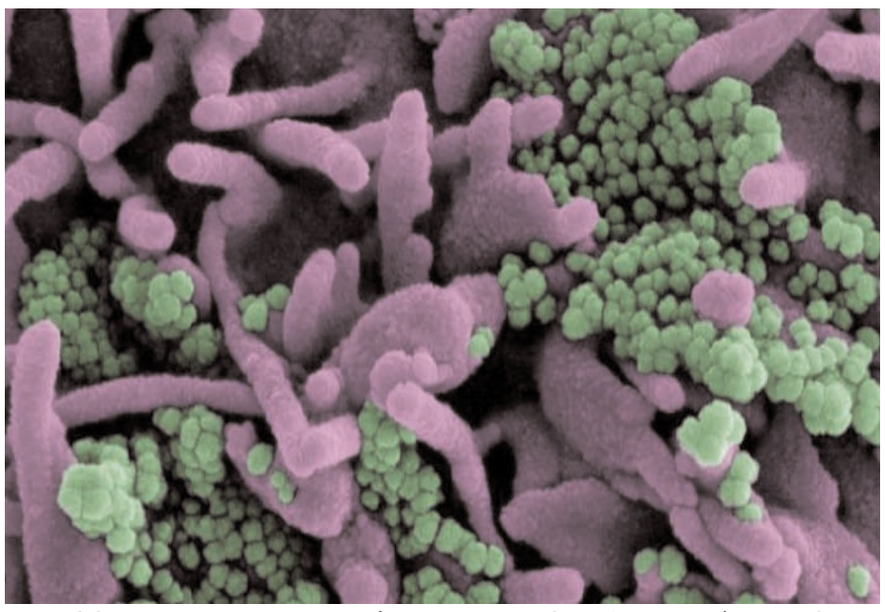

न्यू यॉर्क में किए गए एक नए अध्ययन के अनुसार, डेल्टा वैरिएंट के समान गुणों वाला एक SARS-CoV-2 वैरिएंट अकेले लक्षण वाले वेरिएंट की तुलना में अधिक संक्रमण और सफलता संक्रमण / पुनः संक्रमण के साथ अधिक गंभीर महामारी को ट्रिगर कर सकता है। अध्ययन, जो जर्नल सेल में प्रकाशित हुआ था, अकेले बढ़ी हुई ट्रांसमिसिबिलिटी के साथ भिन्नता एक से अधिक हानिकारक होगी जो आंशिक रूप से प्रतिरक्षा प्रणाली को खत्म कर सकती है। हालांकि, केवल एक विशेषता वाले वेरिएंट की तुलना में दोनों लक्षणों वाला एक प्रकार संक्रमण, पुनः संक्रमण और सफलता संक्रमण को प्रेरित करने की अधिक संभावना है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता मैरी बुशमैन ने कहा, प्रतिरक्षा से बचना – प्रतिरक्षा प्रणाली से बचने और पुनः संक्रमण या सफलता के संक्रमण को प्रेरित करने की क्षमता – अब तक एक चेतावनी झंडा रहा है। हमारा डेटा बताता है कि यह एक लाल झंडा है; अपने आप में, यह इतनी महत्वपूर्ण चिंता का विषय नहीं है। हालांकि, जब बढ़ी हुई संप्रेषणीयता के साथ जोड़ा जाता है, तो यह एक बड़ी चिंता का विषय हो सकता है। डेल्टा संस्करण ने संचरण क्षमता और उन लोगों को संक्रमित करने की क्षमता में वृद्धि की है जो पहले से ही संक्रमित या टीकाकरण कर चुके हैं।

अध्ययन ने एक SARS-CoV-2 महामारी को कई प्रकार के काल्पनिक रूपों के साथ अनुकरण किया, जिसमें अल्फा संस्करण की तरह बढ़ाया ट्रांसमिसिबिलिटी भी शामिल है; बीटा संस्करण की तरह आंशिक प्रतिरक्षा पलायन; डेल्टा संस्करण की तरह, आंशिक प्रतिरक्षा से बचने के साथ बढ़ी हुई संप्रेषणीयता; और न तो विशेषता वाला एक संस्करण।

राजस्थानी डिश गट्टे की मसालेदार सब्जी बनाने की रेसिपी

राजस्थानी डिश गट्टे की मसालेदार सब्जी न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होती है बल्कि सेहत के लिए भी अच्छी होती है। जब आप हरी साग-सब्जी से ब्रेक लेना चाहें या फिर आपके किचन में सब्जियां खत्म हो जाए, तो आप गट्टे की सब्जी बना सकते हैं। आइए, जानते हैं कैसे बनाएं गट्टे की सब्जी-

गट्टे बनाने की सामग्री-

बेसन
लाल मिर्च पाउडर
हल्दी
धनिया पाउडर
नमक
जीरा
अजवाइन
घी
वेजिटेबल ऑयल

गट्टे बनाने की विधि-

सबसे पहले आप किसी बाउल में ङ कप बेसन लें।
अब इसमें एक छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अगर मिर्च तीखी हो, तो आप कम भी डाल सकते हैं।
द चम्मच हल्दी, ड्ड चम्मच धनिया पाउडर, द चम्मच नमक, ड्ड चम्मच जीरा, द चम्मच हाथ से मसलकर अजवाइन डाल दें और इसे अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
सभी मसाले बेसन में अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
अब इसमें 2 बड़े चम्मच घी या कोई भी वेजिटेबल ऑयल डाल दें।
आपको गट्टे में घी थोड़ी ज्यादा मात्रा में ही डालना है, इसी से गट्टे मुलायम होंगे।
अब ऑयल डालकर बेसन को अच्छी तरह हाथ से मिक्स कर लें।
अब इसमें थोड़ा-थोड़ा हल्का गुनगुना पानी डालकर मिलाते जाएं।
इसे आटे के जैसा मुलायम कर लें। ध्यान रखें आटा ज्यादा टाइट नहीं होना चाहिए।
अब आटे को थोड़ी देर के लिए सेट होने रख दें।
आटे को करीब 5 टुकड़ों में बांटकर चिकना लंबी शेप में कर लें।
इस तरह पूरे बेसन से रोल बना लें। ये रोल ज्यादा पतले और न ज्यादा मोटे होना चाहिए।
अब एक कड़ाही में 2 कप पानी लेकर उबाल लें और सभी गट्टे डाल दें।
करीब 8 से 10 मिनट तक तेज आंच पर ढककर पकाएं।
गट्टे उबलने की पहचान है कि इस पर सफेद दाने जैसे आने लगेगें।
गैस बंद कर दें और गट्टों को थोड़ी देर में पानी में ही छोड़ दें। ठंडा होने पर मनपसंद शेप में पानी में ही गट्टे को चाकू से काट दें।
अब ग्रेवी के लिए 1 कप ताजा दही लें, इसमें हल्दी, मिर्च, धनिया, नमक मिला दें।
एक कड़ाही में घी डालें, उसमें लहसुन, जीरा, हींग, 2 बारीक कटे प्याज, हरी मिर्च डालें और भून लें।
जब मसाला भुन जाए, तो दही और मसाले वाला पेस्ट डाल दें। दही डालने के बाद लगातार चलाते रहें।
जब तेल अलग दिखने लगे, तो और मसाले की खुशबू आने लगे तो इसमें गट्टे को पानी समेत डाल दें।अब उबाल आने के बाद धनिया डालकर सर्व करें।

प्रदूषण पर वार करने वाली डाइट

अभी प्रदूषण को सामान्य होने में समय लगेगा। तो क्यों न अपनी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए कुछ उपाय ही कर लिए जाएं। यहां प्रदूषण के प्रभावों से निपटने के लिए आहार विशेषज्ञ द्वारा सुझाए गए तीन पेय हैं, जिन्हें जरूर पीना चाहिए-

सेब और आंवले की जुगलबंदी का असर

विटामिन-सी से युक्त यह पेय भी आपको सर्दी के साथ-साथ प्रदूषण के प्रभाव से बचाने में भी कारगर है। पोषण देने के साथ-साथ यह फेफड़ों की कार्यक्षमता में भी सुधार करता है।

यह कैसे मदद करता है

जहां सेब में मौजूद फ्लेवोनॉइड्स गले की घरघराहट को कम करता है, वहीं विटामिन-सी युक्त आंवला प्रदूषण के कारण फेफड़ों के ऊतकों को होने वाले नुकसान को रोकता है।

पुदीने के साथ अनन्नास का जूस

अनन्नास जूस में पुदीने का फ्लेवर। नाम सुनते ही मुंह में पानी आ गया होगा। पर क्या आप जानते हैं कि अनन्नास में मौजूद कुछ तत्व फेफड़ों को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करते हैं।

यह कैसे मदद करता है

अनन्नास में ब्रोमेलैन एंजाइम फेफड़ों में जमा होने वाले जहरीले तत्वों को साफ करने में मदद करता है। वहीं पुदीने का एंटीहिस्टामाइन बंद नाक, जुकाम और छींक जैसे लक्षणों में एंटीडोट्स के रूप में काम करता है। तो अगर संभव हो, तो इनमें से किसी भी एक पेय को जरूर लें। प्रदूषण के साथ सर्दी से भी बचाव होगा।

फेफड़ों की सेहत के लिए केले की स्मूदी

केले की स्मूदी को बनाने के लिए आपको चाहिए पका केला, अदरक का रस और नारियल का ताजा पानी। इन तीनों को एक साथ ब्लेंड करें और फिर पी लें। इसे सप्ताह में दो या तीन दिन ले सकते हैं।

यह कैसे मदद करता है

आपको बता दें कि पोटैशियम का कम स्तर सांस की तकलीफ से जुड़ा हुआ है, प्रदूषण के दौरान यह और भी अधिक हो जाता है। यहां केला और नारियल पानी, दोनों में ही पोटैशियम भरपूर होता है। वहीं अदरक फेफड़ों से वायु प्रदूषकों को बाहर निकालने में मदद करती है। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि सेहत की ये घुट्टी आपके लिए क्यों है जरूरी।

सर्दियों में गाजर खाने के ये लाभदायी फायदे?

सर्दियों के मौसम में गाजर को बहुत पसंद किया जाता है। वैसे तो पूरे साल गाजर आपको बाजार में मिल जाती है। किन्तु सर्दियों के सीजन में फ्रेश गाजर आती है। गाजर को हम सभी सलाद, सूप, जूस एवं हलवे के तौर पर उपयोग करते हैं। किन्तु क्या आप इसके लाभ जानते हैं। गाजर को स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। गाजर में विटामिन ए, सी, के, पैंटोथेनिक एसिड, फोलेट, पोटेशियम, आयरन, कॉपर तथा मैंगनीज जैसे कई खनिज व विटामिन्स पाए जाते हैं। जो हमें कई रोगों से बचाने में सहायता कर सकते हैं। गाजर का नियामित तौर पर सेवन करने से इम्यूनिटी को मजबूत बनाया जा सकता है। गाजर में पाए जाने वाले गुण इम्यूनिटी को ही स्ट्रांग बनाने में नहीं बल्कि आंखों को स्वस्थ रखने में भी सहायक माने जाते हैं।

1- इम्यूनिटी:- इम्यूनिटी को मजबूत बनाने के लिए गाजर को डाइट में सम्मिलित कर सकते हैं। गाजर में पाए जाने वाले विटामिन, तथा ष्ट दोनों ही एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करते हैं। जो इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाने तथा संक्रमण से बचाने में सहायता कर सकते हैं।

2- मोटापा:- गाजर में कम कैलोरी होती है। गाजर के उपयोग से मेटाबॉलिज्म में भी सुधार होता है। तथा वजन को सरलता से कम करने में सहायता प्राप्त हो सकती है। वजन कम करने के लिए आप इसे सलाद, सूप तथा जूस के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

3- आंखों:- गाजर में बीटा कैरोटीन पाया जाता है। जो विटामिन, का ही एक टाइप है। यह शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट में से एक कहा जाता है, जो आंखों की रोशनी के लिए लाभदायी हो सकता है।

4- स्किन:- गाजर में विटामिन ष्ट तथा विटामिन श्च होता है। विटामिन ष्ट को त्वचा के लिए अच्छा माना जाता है। गाजर को डाइट में सम्मिलित कर त्वचा को हेल्दी रख सकते हैं।

लॉकडाउन विरोधी प्रदर्शन की आग में झुलसा यूरोप

टीका नहीं लेने वालों पर सख्ती बढ़ रही नीदरलैंड्स में पुलिस ने चलाई गोलियां, 7 जख्मी

विएना/बर्लिन

यूरोप में कोविड की वापसी के बाद लागू किए जा सख्त नियमों के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। शांतिप्रिय देश नीदरलैंड्स में दंगाइयों ने रॉटरडैम की सड़कों पर आग लगा दी और पुलिस अधिकारियों पर हमला कर दिया। पुलिस को गोली चलानी पड़ी। इस हिंसा में 7 लोग जख्मी हुए हैं, इनमें दो को गोली लगी है। दरअसल कोरोना का एपिकसेंटर बनने के बाद यूरोपीय देश लॉकडाउन, अनिवार्य टीकाकरण जैसे नियम लागू कर रहे हैं। टीका नहीं लेने वाले लोगों पर सख्ती की जा रही है। जर्मनी समेत कई देशों में टीका नहीं लगाने वाले लोगों को हर रोज कोविड टेस्ट कराना होगा। कई देशों में टीका नहीं लगवाने वाले लोगों की आवाजाही को सीमित किया जा रहा है। जर्मनी के स्वास्थ्य मंत्री ने मौजूदा हालात को 'राष्ट्रीय आपातकाल' बताया है। हालांकि उन्होंने देशव्यापी लॉकडाउन से मना कर दिया है। बीते 24 घंटे में जर्मनी में रिकॉर्ड 59,266 व ब्रिटेन में 44,242 केस आए हैं।

ऑस्ट्रिया में लॉकडाउन

ऑस्ट्रिया वैक्सीन अनिवार्य करने वाला पहला यूरोपीय देश बन गया है। सोमवार से लॉकडाउन की घोषणा की है। इसके विरोध में विएना में लोग जमा हो गए हैं। बीते 24 घंटे में 15 हजार केस आए। अब तक एक तिहाई आबादी ने टीका नहीं लिया है।

अमेरिका में सीमाएं खुलने के बाद 30ल केस बढ़े

अमेरिका में सीमाएं खुलने के बाद कोविड के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। यहां 14 दिन में 30ल केस बढ़े हैं। बीते 24 घंटे में 93196 केस आए और 1134 मौतें हुई। 48 हजार लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

विस्कोंसिन डबल मर्डर:अमेरिका में 'नस्लीय हत्यारा' बरी

सड़कों पर प्रदर्शन दंगे; ट्रम्प ने किया कोर्ट के फैसले का समर्थन

वाशिंगटन

अमेरिका की एक अदालत ने दो लोगों की हत्या करने और एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल करने के आरोपी काइल रिट्टनहाउस को दोषमुक्त करने के आदेश दिए हैं। नस्लीय हत्यारे के रूप में चर्चित 18 साल के काइल रिट्टनहाउस ने पिछले साल विस्कोंसिन में ब्लैक लाइव्स मैटर के समर्थन में चल रहे प्रदर्शन के दौरान गोलीबारी की थी। कोर्ट के फैसला सुनाए जाने के बाद अमेरिका में गन कल्चर, नस्लीय भेदभाव और कथित आत्मरक्षा के अधिकार की सीमाओं को लेकर बहस छिड़ गई है। अमेरिका के कई राज्यों में लोग इस फैसले के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने फैसले का विरोध कर लोगों से शांति रखने की अपील की है। जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फैसले का समर्थन कर काइल को मुबारकबाद दी है।

शिकागो में दुकानों में लूटपाट और आगजनी

काइल को बरी किए जाने के बाद अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट समर्थन आमने-सामने हो गए हैं। न्यूयॉर्क सहित कई शहरों में कोर्ट के फैसले के विरोध में प्रदर्शन हो रहे हैं। शिकागो की कई दुकानों में लूटपाट और आगजनी की वारदातें हुई हैं। पोर्टलैंड में दंगे भड़क गए हैं। बड़ी संख्या में पुलिस को व्यवस्था संभालने के लिए उतारा गया है।

फैसले का विरोध, इसे श्वेत समर्थक बताया

फैसले का विरोध करने वालों ने इसे श्वेत समर्थक करार दिया है। रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर टॉम कॉटन ने राष्ट्रपति बाइडेन से सार्वजनिक माफी की मांग की है। उनका आरोप है कि बाइडेन ने काइल को नस्लीय हत्यारा कहा था। न्यूयॉर्क में हुई एक सभा के दौरान वक्ताओं ने कहा कि ये फैसला अमेरिका के चेहरे पर लाखों बार तमाचे के समान है।

नई दिल्ली में सिंघू सीमा पर संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक में भाग लेते किसान।

चाबहार पोर्ट पर बढ़ा ट्रैफिक:तालिबान के भरोसे के बाद पोर्ट का संचालन शुरू, रूस और ऑस्ट्रेलिया से पहुंच रहे कार्गो शिप

तेहरान

ईरान के चाबहार पोर्ट का संचालन फिर से पहले जैसा हो गया है। 15 अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद यहां के संचालन बुरा प्रभाव पड़ा था। तालिबान के आश्वासन देने के बाद यहां ट्रैफिक में फिर से बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। तालिबान ने कहा है कि कि वह भारत के साथ अच्छे राजनयिक और व्यापारिक संबंध चाहता है, इसलिए क्षेत्रीय और वैश्विक व्यापार को सुगम बनाने के लिए पोर्ट की भूमिका का समर्थन करेगा। इस पोर्ट को भारत ने तैयार किया है। पोर्ट पर भारत और रूस से आने वाले शिप्स के ट्रैफिक में इजाफा हुआ है। इस पोर्ट पर ट्रेड में भारत की अहम भूमिका रही है। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद यहां ट्रेड में कमी आई थी। हालांकि, 2 सितंबर से पोर्ट का संचालन फिर से शुरू हो गया। पोर्ट का एक टर्मिनल रूस, कतर, रोमानिया और ऑस्ट्रेलिया से आने वाले कार्गो शिप को संभाल रहा है। इनमें जौ, गेहूं और मक्का जैसे अनाज ट्रांसपोर्ट किए जा रहे हैं। ग्लोबल मार्केट के लिए सस्ता और सुरक्षित है पोर्ट अफगानिस्तान और मध्य एशियाई देशों के लिए यह पोर्ट भारत और ग्लोबल मार्केट तक पहुंचने की खातिर आसान, सस्ते और सेफ रुट के तौर पर माना जाता है।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना से लड़ाई में कनाडा का बड़ा फैसला:5-11 साल के बच्चों को लगाई जाएगी फाइजर वैक्सीन

कनाडा। कनाडा ने कोरोना से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए बड़ा फैसला लिया है। यहां 5-11 साल के बच्चों को फाइजर कोरोना वैक्सीन की 2 डोज लगाने की मंजूरी दे दी गई है। यह फैसला तब लिया गया, जब कुछ कंपनियों ने इस एज ग्रुप के हजारों बच्चों के क्लिनिकल ट्रायल के लिए एप्लिकेशन भेजी। नतीजों में सामने आया कि 16 से 25 साल के एज ग्रुप में वैक्सीन का जो प्रभाव था, वही 5 से 11 साल के एज ग्रुप में भी दिखा। कनाडा स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा, %ट्रायल के स्वतंत्र रिव्यू करने के बाद हम बच्चों को भी वैक्सीन का लाभ देना चाहते हैं। 5 से 11 साल के बच्चों में भी यह वैक्सीन 90 फीसदी प्रभावी पाई गई है। इसके अलावा इसके कोई गंभीर साइड इफेक्ट भी नहीं दिखाई दिए हैं। अभी तक इस एज ग्रुप में सुरक्षा संबंधी कोई समस्या सामने नहीं आई है और इस पर लगातार नजर रखी जाएगी। कनाडा स्वास्थ्य विभाग ने क्या गाइडलाइंस जारी कीं

- 5-11 साल के बच्चों को फाइजर वैक्सीन की दो डोज लगाई जाएंगी।
- बच्चों को दी जाने वाली वैक्सीन की दोनों डोज के बीच 8 हफ्ते का अंतर रहेगा।
- बच्चों को 10MCG की डोज दी जाएगी, वयस्कों को 30MCG की डोज दी जा रही है।
- अगर किसी बच्चे को पहले कोरोना हो चुका है तो उसे डोज तभी दी जाएगी जब मौजूदा मानकों के आधार पर उसे संक्रमित नहीं माना जाएगा।
- 2 डोज के बीच का अंतर वयस्कों को दी जाने वाली डोज के अंतर के आधार पर तय किया गया। इसमें सामने आया है कि दो डोज के बीच लंबे अंतराल के बाद डोज दिए जाने पर इम्यूनिटी ज्यादा मजबूत होती है।

लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। पीएम मोदी लखनऊ में 56वें ??डीजीपी/आईजीपी सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय दौरे पर हैं।

भारत के बाद यूएई को ड्रैगन का धोखा

बिना बताए उसकी जमीन पर बना रहा था सीक्रेट मिलिट्री बेस; अमेरिका ने रोका

बीजिंग

ड्रैगन की चालबाजी एकबार फिर खुलकर सामने आ गई है। चीन, संयुक्त अरब अमीरात (श्च) के खलीफा पोर्ट पर चुपचाप एक मिलिट्री बेस बना रहा था। इसे अमेरिका ने रुकवा दिया है। चिंता की बात यह है कि इस बारे में यूएई को भी जानकारी नहीं थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका का दबाव बनाने के बाद यूएई ने चीनी कंस्ट्रक्शन रुकवा दिया है। सीक्रेट मिलिट्री बेस की जानकारी अमेरिकी खुफिया एजेंसी को सैटेलाइट से क्लिक की गईं तस्वीरों से मिली है। एजेंसी को वहां एक बड़ी बिल्डिंग बनाने के लिए बड़े-बड़े गड्ढे बनाने का पता चला है। चीन जिस पोर्ट पर अपना बेस बना रहा था, वह अबु धाबी के उत्तर में 80 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां चीनी कंपनी चाइना ओसियन शिपिंग (ग्रुप) कंपनी COSCO शिपिंग समूह ने यहां पर एक बड़ा कॉमर्शियल कंटेनर टर्मिनल बनाया है। चीन ने जांच से बचने के लिए लंबे समय तक इस साइट को कवर करके रखा था, लेकिन मौका मिलते ही अमेरिका ने अपनी सैटेलाइट से उसे कैप्चर कर लिया। रिपोर्ट सामने आने के बाद यूएई की सफाई भी सामने आ गई है। संयुक्त अरब अमीरात ने चीनी कंस्ट्रक्शन के बारे में किसी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है। चीन के इस कदम से दो पुराने सहयोगियों के बीच दरार पड़ती नजर आ रही है। यूएई ने इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ बैठक करनी शुरू कर दी है। यूएई ने साफतौर पर कहा है कि सीक्रेट मिलिट्री बेस के लिए उन्होंने चीन से कोई करार नहीं किया है।

पाकिस्तान में हिन्दुओं पर अत्याचार

सिंध प्रांत में 11 साल के लड़के की यौन उत्पीड़न के बाद गला दबाकर

प्रकाश पर्व में व्यस्त था परिवार

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 11 साल के हिंदू लड़के की यौन उत्पीड़न के बाद बेरहमी से हत्या कर दी गई। परिजनों के मुताबिक, नाबालिग शुक्रवार शाम को लापता हो गया था। उसका शव शनिवार को खैरपुर मीर इलाके के बबरलोई कस्बे में एक सुनसान घर में मिला। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने लड़के के परिजन राजकुमार के हवाले से बताया कि पूरा परिवार गुरु नानक के जन्मदिन के कार्यक्रमों में व्यस्त था। हमें नहीं पता कि बच्चा कैसे लापता हो गया। वह रात 11 बजे घर में मृत पाया गया। उन्होंने बताया कि नाबालिग 5वीं क्लास में पढ़ता था। घटना के बाद इलाके में लोग डरे हुए हैं। बबरलोई पुलिस स्टेशन के स-ाह ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अपराधियों ने नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने के बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी। हमने दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक ने अपना अपराध कबूल कर लिया है।

नाबालिग के शरीर पर प्रताड़ना के भी निशान

सुक्कुर जिले के बाल संरक्षण अधिकारी जुबैर महार ने कहा कि नाबालिग के शरीर पर प्रताड़ना के भी निशान हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में सूबे में इस तरह की यह दूसरी घटना है। इससे पहले सुक्कुर जिले के सालेह पाट में हिंदू समुदाय की एक नाबालिग लड़की लापता हो गई थी। पुलिस ने उसकी बरामदगी के लिए 25 लाख रुपए के इनाम की भी घोषणा की है, लेकिन यह सब व्यर्थ है।

7 साल की बच्ची का टीचर ने किया यौन शोषण

पाकिस्तान में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में रावलपिंडी में पुलिस ने गैरीसन शहर के एक स्कूल में 7 साल की बच्ची का यौन शोषण करने के संदेह में एक स्कूली शिक्षक को गिरफ्तार किया था। पाकिस्तान में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार की कई खबरें नई नहीं हैं। 2017 की जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। इसके बाद ईसाई, अहमदी, सिख और पारसियों का नंबर आता है।

सिकोइया एंड किंग्स कैन्यन नेशन पार्क फायर सर्विस के सहायक फायर मैनेजर लीफ मैथिसन, कैलिफोर्निया के किंग्स कैन्यन नेशनल पार्क में रेडवुड माउंटेन ग्रोव से जले हुए विशाल अनु में में एक उद्घाटन की तलाश में हैं। वर्ष की शुरुआत में केएनपी कॉम्प्लेक्स की आग से यह क्षेत्र तबाह हो गया था।

न्यूज ब्रीफ

चीन की लापता टेनिस स्टार पेंग शुआई का वीडियो आनलाइन किया गया पोस्ट

बीजिंग। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार के संपादक ने एक वीडियो ऑनलाइन पोस्ट किया है और उन्होंने कहा कि इसमें लापता टेनिस स्टार पेंग शुआई रविवार को एक मैच देख रही हैं। इससे सत्तारूढ़ पार्टी ने विदेश में चीन की इस शीर्ष टेनिस खिलाड़ी को लेकर पैदा हुए डर को दूर करने की कोशिश की जिन्होंने एक वरिष्ठ नेता पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। 'ग्लोबल टाइम्स के संपादक हु जिन ने ट्विटर पर यह वीडियो पोस्ट की है जिसे चीन में ज्यादातर इंटरनेट यूजर्स नहीं देख सकते। इस वीडियो में दिख रहा है कि पेंग पांच अन्य लोगों के साथ खड़ी हैं, जिस पर हु जिन ने कहा कि यह बीजिंग में एक युवा चैम्पियनशिप है। इससे पहले शनिवार को शु जिन ने ट्विटर पर बयान दिया गया था कि पेंग जल्द ही सार्वजिनक रूप से दिखाई देंगी। पेंग के गायब होने और उनके संबंधित सूचना के जवाब में सरकार की चुप्पी से फरवरी में बीजिंग में होने वाले शीतकालीन खेलों के बहिष्कार की बातें हो रही हैं जो कम्युनिस्ट पार्टी के लिये एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। महिलाओं के पेशेवर टूर ने भी चीन से टूर्नामेंट छीनने की धमकी दी है अगर वह पूर्व नंबर एक युगल खिलाड़ी के सुरक्षित होने का आश्वासन नहीं देता। चीन में पेंग के बारे में चर्चा को वेबसाइट से डिलीट कर दिया गया है। शुक्रवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा था कि उन्हें पेंग के लापता होने के बारे में कुछ नहीं पता है।

मेस्सी ने फ्रेंच लीग में पेरिस सेंट जर्मेन के लिए दागा पहला गोल

पेरिस। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेस्सी ने फ्रेंच लीग में पेरिस सेंट जर्मेन के लिए पहला गोल दागा जबकि किलियान एमबापे ने अपने करियर का सबसे तेज गोल करने की उपलब्धि हासिल की जिससे क्लब ने नानतेस पर 3-1 से जीत दर्ज की। मेस्सी ने पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की जीत में एमबापे के पास से 87वें मिनट में गोल किया। इन गर्मियों में बार्सिलोना छोड़कर पीएसजी से जुड़े मेस्सी अपनी नयी टीम के लिये चैम्पियंस लीग में तीन गोल कर चुके हैं लेकिन लीग 1 में पिछले पांच मुकाबलों में वह गोल नहीं कर पाए थे। नौ बार की चैम्पियन पीएसजी ने रेनेस पर 12 अंक की बढ़त बना ली है जो मोंटपेलियर पर 2-0 की आसन जीत से दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

धोनी ने बता दिया कहां खेलेंगे अपना आखिरी मैच : माही ने कहा- आईपीएल 2022 में खेलने को लेकर कुछ सोचा नहीं, अभी काफी वक्त है

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का आईपीएल 2022 सीजन को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। चेन्नई सुपर किंग्स की जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित %द चैंपियंस कॉल% कार्यक्रम में संन्यास के सवाल पर उन्होंने कहा, %मैं इसके (संन्यास) बारे में अभी सोच रहा हूं। अभी हम नवंबर में हैं। आईपीएल 2022 अप्रैल में होगा। उन्होंने आगे कहा, मैंने हमेशा अपने क्रिकेट के लिए योजना बनाई है। मैंने अपना आखिरी घरेलू मैच और आखिरी वनडे दोनों रांची में खेले थे। उम्मीद है मेरा आखिरी टी-20 मैच

चेन्नई में होगा, चाहे वह अगले साल हो या आने वाले पांच सालों में।%

2020 के सीजन में टीम का प्रदर्शन रहा था खराब

धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट में संन्यास लेने के बाद आईपीएल में खेलते रहे हैं। 2020 के सीजन में चेन्नई का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा था। टीम पहली बार प्ले ऑफ में नहीं पहुंच पाई थी, लेकिन फ्रेंचाइजी ने धोनी पर भरोसा जताए रखा। 2021 के सीजन में धोनी की टीम कमाल की वापसी करते हुए चौथी बार चैंपियन बनी।

2020 के सीजन में टीम का प्रदर्शन रहा था खराब

धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट में संन्यास लेने के बाद आईपीएल में खेलते रहे हैं। 2020 के सीजन में चेन्नई का प्रदर्शन बहुत ही खराब रहा था। टीम पहली बार प्ले ऑफ में नहीं पहुंच पाई थी, लेकिन फ्रेंचाइजी ने धोनी पर भरोसा जताए रखा। 2021 के सीजन में धोनी की टीम कमाल की वापसी करते हुए चौथी बार चैंपियन बनी।

कोहली का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ेंगे हिटमैन!

रोहित के पास भारत के लिए सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने का मौका

चहल खेले तो रच देंगे इतिहास

कोलकाता

कोलकाता में भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज तीन टी-20 सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा। पिछले दोनों मैचों में मिली जीत के बाद आज भी रोहित एंड कंपनी को जीत का फेवरेट माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं कि आज के मैच में कौन-कौन से बड़े रिकॉर्ड बन सकते हैं।

फिर सिक्सर किंग बनेंगे हिटमैन

इतना ही नहीं हिटमैन अगर आज के मैच में 3 छक्के लगा देते हैं, तो टी-20ड्ड में 150 छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे और भारतीय टीम के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अभी तक (147) छक्के लगा चुके हैं। टी-20 में सबसे पहले 150 छक्के लगाने का कीर्तिमान मार्टिन गुप्टिल ने बनाया था। अभी तक उनके बल्ले से (161) छक्के देखने को मिले हैं।

कोहली को पीछे छोड़ सकते हैं रोहित

आज के मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अगर 87 रन बना लेते हैं तो वो टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे और विराट कोहली (3227) को पीछे छोड़ देंगे। पहले पायदान पर कीवी ओपनर मार्टिन गुप्टिल (3248) का नाम आता है।

चहल के पास बड़ा मौका

टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया में जगह नहीं बना पाए युजवेंद्र चहल न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी मैच में कई रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते हैं। अगर चहल कीवी टीम के खिलाफ 4 विकेट झटक लेते हैं तो टी-20 इंटरनेशनल में चहल भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। वहीं, अगर इस सीरीज में उनके खाते में 8 विकेट आए तो वो टी-20 क्रिकेट (घरेलू और इंटरनेशनल) में उनके 250 विकेट हो जाएंगे।

आवारा कुत्तों की खबर पर कमिश्नर पहुंचे ग्रीनपार्क, कमिश्नर के सामने ही आवारा जानवर फिर मैदान में

कानपुर

क्रिकेट के मैदान पर कई बार खेल से अलग मजेदार दृश्य देखने को मिलते है। ऐसा अक्सर ग्रीन पार्क के मैदान में देखने को मिलता रहा है। 19 नवंबर को भास्कर ने एक खबर प्रकाशित की थी जिसमें यह जिक्र किया था कि ग्रीन पार्क के मैदान की पिच में जहां मैच खेला जाना है उस पर आवारा कुत्ते ग्राउंड खोद रहे है। इसी खबर का संज्ञान लेते शनिवार को कानपुर शहर के कमिश्नर राजशेखर ग्रीन पार्क का जायज़ा लेने पहुंचे। जायज़ा लेते समय जैसे ही कमिश्नर ने आवारा कुत्तों के ग्राउंड में घुसने पर चर्चा शुरू की तो उसी समय एक आवारा कुत्ता मैदान में आगया। जिसे देख कर कमिश्नर आग बबूला हो गए। उन्होंने तत्काल नगर निगम के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए बोले की इस बार मैच के दौरान में कुत्ते नही दिखने चाहिये। बुधवार से ही ग्रीन पार्क का मैदान सुरक्षा बालों के हवाले कर दिया गया था। लेकिन इसके बाद भी कुत्ते मैदान पर देखने को रोजाना मिल रहा है। गुरुवार, शुक्रवार और फिर शनिवार को भी यही देखने को मिला। ग्रीन पार्क के मैदान में कुत्तों को मैदान में घुसने से कोई नहीं रोक पाया है। ग्रीन पार्क का इतिहास रहा है कि यहां पर अब तक जो भी मैच खेले गए है उस दौरान यह कुत्ते मैदान में घुस आते है। कई बार तो इन कुत्तों की वजह से मैच को तीन से पांच मिनट के लिए रोकना भी पढ़ गया था। यहां मैच देखने आने वाले दर्शकों के लिए यहां आवारा कुत्ते चर्चा का विषय बनते है। पिछली बार हुए मैच में इन कुत्तों को ग्राउंड में घुसने से रोकने के लिए पुलिस वालों तक को लगाया गया था। लेकिन उसके बावजूद पुलिस वाले इन कुत्तों को ग्राउंड में घुसने से नहीं रोक पाए थे।

नई दिल्ली। पाकिस्तान की जूनियर हॉकी टीम 24 नवंबर से पांच दिसंबर तक भुवनेश्वर में होने वाले जूनियर हॉकी विश्व कप में भाग लेने के लिए शनिवार को यहां पहुंची। पाकिस्तान उच्चायोग ने यह जानकारी दी। यहां जारी बयान के मुताबिक पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी आफताब हसन खान ने हॉकी टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। बयान के मुताबिक उच्चायोग के एक वरिष्ठ राजनयिक ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टीम के सदस्यों की अगवानी की।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

भारत की नई सनसनी दर्शन नालकंडे की गेंदों ने सैयद मुश्ताक ट्रॉफी में बरपाया कहर, फिर भी हारी टीम

नई दिल्ली

विदर्भ के तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेकर सनसनी मचा दी है। उन्होंने आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर अनिरुद्ध जोशी, तीसरी गेंद पर शरथ बीआर, चौथी गेंद पर जगदीश सुचित और पांचवी गेंद पर अभिनव मनोहर को आउट किया। दर्शन के शानदार प्रदर्शन के बावजूद विदर्भ को हार मिली। उन्होंने 4 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। टी-20 में लसिथ मलिंगा, राशिद खान और कर्टिस कैंफर ऐसे गेंदबाज हैं जो लगातार चार गेंदों में चार विकेट ले चुके हैं। मलिंगा ने ये कमाल तो दो बार किया है।

आईपीएल में नहीं मिल पाया है मौका

नालकंडे को आईपीएल में पंजाब किंग्स ने खरीदा था, लेकिन उन्हें अब तक डेब्यू करने का मौका नहीं मिला है। 2018 में

पहली बार इस गेंदबाज को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में ही खेलते देखा गया था। 2018 के ही सीजन में दर्शन ने लिस्ट-ए और फर्स्ट-क्लास में भी डेब्यू किया था।

कर्नाटक और तमिलनाडु में होगा फाइनल मुकाबला

कर्नाटक ने रोमांचक मुकाबले में विदर्भ को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। कर्नाटक के लिए सलामी बल्लेबाज रोहन कदम ने 87 रनों की धुआंधार पारी खेली। वहीं, कप्तान मनीष पांडे ने भी शानदार 54 रन बनाए। कर्नाटक ने 177 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन विदर्भ 172 रन ही बना पाई। वहीं, तेज गेंदबाज पी सरवन कुमार के पांच विकेट के दम पर तमिलनाडु ने हैदराबाद को आठ विकेट से हरा दिया। तमिलनाडु की टीम सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में लगातार तीसरी बार पहुंची है। टूर्नामेंट का फाइनल दोनों टीमों के बीच 22 नवंबर को खेला जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण 8.43 करोड़ पर, साझा सेवा केंद्रों का हिस्सा 80 प्रतिशत

नई दिल्ली। सरकार द्वारा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए शुरू किए गए ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण का आंकड़ा 8.43 करोड़ पर पहुंच गया है। इसमें से 6.77 करोड़ या 80.24 प्रतिशत पंजीकरण साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) के जरिये हुए हैं। ई-श्रम पोर्टल को परिचालन में आए तीन माह हुए हैं। डिजिटल सेवाओं की आपूर्ति के लिए पहुंच के केंद्र सीएससी पंजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। देश के गांवों में विभिन्न प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं की आपूर्ति के लिए पहुंच का बिंदु साझा सेवा केंद्र हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 19.66 प्रतिशत या 1.65 करोड़ असंगठित श्रमिकों ने पोर्टल पर खुद पंजीकरण कराया है। हालांकि, राज्य सेवा केंद्रों के जरिये पोर्टल पर पंजीकरण कराने वाले श्रमिकों की संख्या सिर्फ 0.1 प्रतिशत है। सीएससी एसपीवी के प्रबंध निदेशक दिनेश त्यागी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''ई-श्रम पंजीकरण के लिए ऐसे पात्र श्रमिकों को जुटाना, इस योजना के बारे में बताना और तकनीकी समर्थन जरूरी है।'' उन्होंने बताया कि साझा सेवा केंद्र इस बारे में शिविर आयोजित करने में भी राज्य सरकारों की मदद कर रहे हैं। त्यागी ने कहा, ''हम चाहते हैं कि सीएससी श्रमिक कल्याण का केंद्र बनें और प्रत्येक कामगार को केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं का लाभ मिल सके।''

क्रिप्टो करेंसी पर बढ़ती चिंता : दो हफ्ते में बिटकॉइन की कीमत 20 फीसदी गिरी, 57 हजार डॉलर के नीचे पहुंची

नई दिल्ली

क्रिप्टो की प्रमुख करेंसी बिटकॉइन की कीमतों में जबरदस्त गिरावट आई है। दो हफ्ते में इसका भाव 20 फीसदी गिर गया है। इस समय यह 57 हजार डॉलर के नीचे कारोबार कर रही है।

अस्थिरता वाली है क्रिप्टोकरेंसी

बिटकॉइन की कीमतों में भारी गिरावट से यह साबित होता है कि अब भी क्रिप्टो में निवेश की पहचान ज्यादा अस्थिरता वाली ही बनी हुई है। फिर भी बिटकॉइन की दुनिया में लोकप्रियता बरकरार है। दूसरे ट्रेडिशनल मार्केट में जब भी कोई उतार-चढ़ाव होता है तो अलार्म की घंटी बज जाती है और निवेशक सचेत हो जाते हैं।

लगातार 6 दिन से गिर रही हैं कीमतें

बिटकॉइन की कीमतों में लगातार 6 दिन से गिरावट है। शुक्रवार को लंदन के शुरुआती कारोबार में सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी 0.5 फीसदी गिरकर लगभग 56,280 डॉलर हो गई। ओंडा के सीनियर मार्केट विश्लेषक क्रेग एर्लाम ने लिखा, बिटकॉइन में करेक्शन कोई बड़ी डील नहीं है। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि अक्टूबर में कीमतों में 40 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद तेज गिरावट सामान्य है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। एक एजेंसी ने बताया कि चीन के क्रिप्टो पर क्रैकडाउन और नए अमेरिकी टैक्स-रिपोर्टिंग प्रावधानों को क्रिप्टो निवेशकों के लिए नकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। इससे इसकी लोकप्रियता में थोड़ा बट्टा जरूर लग रहा है।

2016-17 में तेजी से बढ़ रही थी क्रिप्टो करेंसी

हैरिस फाइनेंशियल ग्रुप के वित्तीय सलाहकार जेमी कॉक्स ने कहा कि 2016-17 के दौरान, जब ब्याज दरें बढ़ रही थीं और सिस्टम से लिक्विडिटी गायब हो रही थी, उस समय क्रिप्टो करेंसी तेजी से आगे बढ़ रही थी। क्रिप्टोकरेंसी में 20 फीसदी या उससे अधिक कीमत में उतार-चढ़ाव असामान्य नहीं है। अप्रैल की शुरुआत में लगभग 65,000 डॉलर के रिकॉर्ड को छूने के बाद, बिटकॉइन का भाव जून के अंत तक 50 फीसदी से अधिक गिर गया था।

सितंबर में 53 हजार डॉलर थी बिटकॉइन की कीमत

सितंबर की शुरुआत में लगभग बिटकॉइन 53,000 डॉलर तक पहुंच गई थी। असल में पिछले 24 घंटों के भीतर भी बिटकॉइन का भाव लगभग 3 फीसदी गिरा है। 10 नवंबर, को 68,789.63 डॉलर के ऑल टाइम हाई पर पहुंचने के बाद, इसमें ये गिरावट आनी शुरू हुई। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, बिटकॉइन में गिरावट ऊपरी स्तरों से मुनाफावसूली की वजह से देखी गई है।

एथर की कीमतें 4,314 डॉलर पर

दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथर की कीमतें ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई हैं। यह 4,314 डॉलर पर कारोबार कर रही है। डागकॉइन की कीमतें 7 फीसदी बढ़कर 0.23 डॉलर पर पहुंच गई हैं। शिबा इनू भी 15 फीसदी बढ़कर 0.000049 पर पहुंच गई है। दूसरी तरफ, भारत अब क्रिप्टो कानून पर विचार कर रहा है, जिसे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश किया जा सकता है। वहीं, इस सेक्टर में कई अहम भारतीय एक्सचेंज ने अपने पब्लिक-आउटरीच ऑपरेशंस पर रोक लगाने का फैसला किया है। ऐसी अटकलें हैं कि क्रिप्टो को एक असेट क्लास के रूप में रेगुलेट किया जाएगा और ऐसा मना जा रहा है कि इसे लेनदेन के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति शायद ही मिलेगी। क्रिप्टोकरेंसी का टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन 2.7 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

विशाल फैब्रिक्स का अगले दो साल में 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

मुंबई

21 नवंबर (भाषा) विशाल फैब्रिक्स घरेलू बाजार में विस्तार और निर्यात के साथ डेनिम उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता के बीच अगले दो वित्त वर्ष में 2 अहमदाबाद की डेनिम कंपनी विशाल फैब्रिक्स के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) विजय थडानी ने कहा कि कंपनी डेनिम उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनी मौजूदा क्षमता में भी निवेश कर रही है। इससे कंपनी बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के अलावा नए निर्यात बाजारों में भी प्रवेश कर सकेगी। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली दो तिमाहियां काफी अच्छी रही हैं और कंपनी ने 697 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया है। अन्य कंपनियों की तरह 10,000 करोड़ रुपये के चिरिपाल समूह की कंपनी विशाल फैब्रिक्स का कारोबार भी कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुआ था। थडानी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''इस साल हम पहले ही 700 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल कर चुके हैं। वित्त वर्ष के दौरान हमारा 1,400 से 1,500 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य है। अगले वित्त वर्ष में हमारा 1,600 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रहेगा। वित्त वर्ष 2023-24 तक विशाल फैब्रिक्स 2,000 करोड़ रुपये के कारोबार वाली कंपनी होगी।'' बीते वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी का कारोबार 967.54 करोड़ रुपये रहा था। वहीं महामारी से पहले 2019-20 में कंपनी का कारोबार 1,294.84 करोड़ रुपये रहा था।

अमेरिकी बाजार से जेनेरिक दवा की 1.10 लाख बोतलें वापस लेगी सन फार्मा

नई दिल्ली। देश की प्रमुख फार्मा कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज अमेरिकी बाजार से पुरुषों में स्तंभन दोष (इरेक्टाइल डिसफंक्शन) के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली जेनेरिक दवा की 1.10 लाख से अधिक बोतलों को बाजार से वापस लेगी। कंपनी ने विनिर्माण खामी की वजह से यह कदम उठाया है। अमेरिकी खाद्य एवं दवा प्रशासन (यूएसएफडीए) की नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट के अनुसार, ''घरेलू फार्मा कंपनी की अमेरिकी इकाई बाजार से टाडालाफिल टैबलेट को वापस लेगी।'' मुंबई की दवा विनिर्माता कंपनी 5 एमजी और 20 एमजी की क्षमता वाली दवाओं को वापस लेगी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कहा कि कंपनी 5 एमजी वाली दवा की 73,957 बोतलें और 20 एमजी वाली 36,786 बोतलें वापस लेगी।

चीनी कंपनी की इलेक्ट्रिक एसयुवी : एक्सपेंग जी9 5 मिनट की चार्जिंग में 200किमी की रेंज देगी

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक कारों की रेंज को लेकर दुनियाभर की कंपनियां काम कर रही हैं। चीन की एक्सपेंग मोटर्स (Xpeng Motors) ने ऐसी ही एक इलेक्ट्रिक कार को तैयार किया है। इस कार का नाम G9 एसयुवी है। कंपनी का इस कार को लेकर दावा है कि महज 5 मिनट की चार्जिंग में ये 200KM का सफर तय करती है। यह एक स्मार्ट एसयुवी कार है। कंपनी पहले इस ईवी का टीजर जारी कर चुकी है। एक्सपेंग मोटर्स ने इस ईवी को ऑटो गुआंगजौ 2021 इवेंट के दौरान पेश किया है। गाड़ी में सेफ्टी के साथ एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम XPILOT 4.0 दिया गया है। एनवायरमेंट से जुड़े सभी स्टैंडर्ड को फॉलो करके इसे तैयार किया गया है।

लॉन्चिंग को लेकर कंपनी ने नहीं किया खुलासा

कार को पेश तो कर दिया है, लेकिन इसकी लॉन्चिंग को लेकर कंपनी ने खुलासा नहीं किया है। माना जा रहा है कि कार को 2022 तक लॉन्च किया जा सकता है। कार में सबसे खास बात यही है कि ये 5 मिनट की चार्जिंग में 200 किमी तक का सफर तय करेगी। इसकी फुल रेंज क्या होगी इस बारे में भी कंपनी ने कोई नकारी नहीं दी है।

एक्सपेंग मोटर्स जी9 इलेक्ट्रिक की खास बातें

इस कार में नेक्स्ट जेनरेशन एक्सपावर 3.0 पावरट्रेन सिस्टम दिया है, जो चीन से पहले 800V हाई वॉल्टेज प्रोडक्शन के साथ आता है। इसमें ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम XPILOT 4.0 ADAS दिया है। ये ऑटोनोमस कार की लिए एक नया सिस्टम है। जो कार को सेफ बनाता है। कार में स्मार्ट कॉकपिट फीचर भी दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये एसयुवी पूरी तरह आरामदायक और स्पेसियस है। कार के इंटीरियर की बात की जाए तो इसमें फुली फंग्शनल स्टीयरिंग, करीब 10 से 12 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया है। इंफोटेनमेंट को कार के स्पीडो मीटर से जोड़ा गया है। जिससे ये डिस्प्ले स्क्रीन काफी बड़ी नजर आती है। ये फ्लोटिंग स्क्रीन है, जिस डैशबोर्ट पर स्टैंड किया गया है।

टैक्स के रेट में होगा सुधार : जीएसटी के अब तीन स्लैब ही रखे जाएंगे

नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवाकर को लागू हुए अगले साल जुलाई में पांच साल पूरे हो जाएंगे। इस अवसर पर इस सिंगल टैक्स में बड़े बदलाव करने की तैयारी है। अभी चार स्लैब इसमें हैं। इसे घटाकर तीन स्लैब करने की योजना है। साथ ही जनवरी से अपैरल और जूते चप्पल पर ज्यादा टैक्स लगाए जाएंगे। जिससे यह सभी महंगे हो जाएंगे।

जीएसटी के फेमवर्क में सुधार करने पर नजर

सरकार की नजर जीएसटी के फ्रेमवर्क में काफी सुधार करने पर हो सकती है। अगले साल जुलाई के बाद जीएसटी के लिए राज्यों को मिलने वाला मुआवजा खत्म होना तय है। इसमें टैक्स स्लैब के पुनर्गठन और छूट को कम करने पर 1 जुलाई, 2017 को लागू किए गए सिंगल टैक्स के सबसे बड़े बदलाव पर विचार किया जा सकता है। नई व्यवस्था में टैक्स की दरें 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी हो सकती हैं। अभी जो चार दरें हैं, उनमें एक रेट 5 फीसदी का भी है। इसे और 12 फीसदी के टैक्स को एक में मिलाने की योजना है।

मंत्रियों के एक समूह की आज हो सकती है बैठक

कर्नाटक के मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रियों के एक समूह (GoM) की जल्द ही बैठक होने की संभावना है। जीएसटी काउंसिल की अगली बैठक में सिफारिशों को अंतिम रूप इसमें दिया जाएगा। पिछली जीएसटी काउंसिल की बैठक में रेवेन्यू के विभिन्न पहलुओं पर एक प्रजेंटेशन दिया गया था। अब यह राज्यों को देखना है कि वे जुलाई के बाद की स्थिति से कैसे निपटना चाहते हैं। गौरतलब है कि केंद्र सरकार 5 साल के लिए जीएसटी के कारण रेवेन्यू के नुकसान के लिए राज्यों को मुआवजा देती है। यह नियम अगले साल समाप्त हो रहा है। मुआवजे की यह व्यवस्था समाप्त होने के बाद राज्यों को अपने रेवेन्यू में भारी गिरावट की चिंता होना तय है।

अब फ्लिपकार्ट से दवाईयां भी कर सकेंगे ऑर्डर, कंपनी ने लॉन्च की हेल्थ+

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स साइट फ्लिपकार्ट अब आपके घर दवाईयां भी पहुंचाएगी। फ्लिपकार्ट ने हेल्थ+ सर्विस लॉन्च की है जिसके जरिए वह लोगों के घर-घर दवाइयां पहुंचाएगी। फ्लिपकार्ट ने सर्विस के लिए कोलकाता की कंपनी सस्तासुंदर मार्केटप्लेस का अधिग्रहण किया है। SastaSundar.com भारत में एक प्रसिद्ध डिजिटल हेल्थकेयर और फार्मेसी प्लेटफॉर्म है। सस्तासुंदर ने दवा डिलीवर करने के लिए पहले से ही करीब 490 फार्मेसी कंपनियों से साझेदारी की है। इसमें जापान की कंपनी मित्सुबिशी और रोहतो फर्मास्युटिकल जैसी कंपनियों ने निवेश किया है। सस्तासुंदर हेल्थ से जुड़े व्यक्तिगत परामर्श भी देती है।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी मौलिक,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।